▪ RNI No. : TNHIN/2013/5252 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 120 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 24-11-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 कोलकाता की पिच अलग थी लेकिन यह 'सड़क' की तरह है : कुलदीप

6 'शीश कटा, पर झुका नहीं - बलिदान से धर्म उत्थान'

7 'धुरंधर' टैलेंटेड लोगों की जबरदस्त टीम : यामी गौतम

फर्स्ट टेक

गुरु तेग बहादुर की वीरता और निःस्वार्थ सेवा सभी के लिए प्रेरणा स्रोत : राष्ट्रपति

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस की पूर्व संध्या पर रविवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उनकी वीरता, बलिदान और नि:स्वार्थ सेवा सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है। मुर्मू ने एक संदेश में कहा कि गुरु तेग बहादुर ने धर्म, मानवता और सत्य के आदर्शों की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। राष्ट्रपति ने कहा, ''उनकी वीरता, बलिदान और नि:स्वार्थ सेवा सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है। उनके उपदेश हमें दृढ़ संकल्प और साहस के साथ न्याय के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। आइए हम उनके मूल्यों को अपने जीवन में अपनाएं और अपने देश में सद्भाव और एकता को मजबूत करने के लिए काम करें।'' उन्होंने कहा, ''मैं गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर उन्हें अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं।''

राष्ट्रपति पुतिन की आगामी भारत यात्रा बहुत सार्थक होगी : रूस

मॉस्को/भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की आगामी भारत यात्रा ''बहुत भव्य'' और ''सार्थक'' होगी। रूसी सरकारी टीवी ने रविवार को क्रेमलिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव के हवाले से अपनी खबर में यह जानकारी दी। वीजीटीआरके रूसी सरकारी टीवी के क्रेमलिन संवाददाता पावेल जारुबिन को दिए एक साक्षात्कार में उशाकोव ने कहा, ''हम और भारतीय पक्ष इस यात्रा की सक्रियता से तैयारी कर रहे हैं और उम्मीद करते हैं कि यह हर लिहाज से सार्थक होगी। यह एक बेहद भव्य (यात्रा) होगी क्योंकि इसे राजकीय यात्रा भी कहा जा रहा है।''

नाइजीरिया में अगवा किए गए 303 लोगों में से 50 छात्र मुक्त

अबुजा (नाइजीरिया)/एपी। नाइजीरिया के उत्तर-मध्य स्थित नाइजर प्रांत के एक कैथोलिक स्कूल से अपहृत 303 स्कूली बच्चों में से 50 बच्चे मुक्त होकर अपने परिवारों के पास पहुंच गए हैं। स्कूल प्रशासन ने रविवार को यह जानकारी दी। नाइजर राज्य में नाइजीरिया के ईसाई संघ के अध्यक्ष और स्कूल के मालिक एम आर बुलुस दाऊवा योहाना के अनुसार, 10 से 18 साल की उम्र के ये स्कूली बच्चे शुक्रवार और शनिवार के बीच अलग-अलग समय पर अपहरणकर्ताओं के चंगुल से बचकर भाग निकले। उन्होंने एक बयान में कहा कि कुल 253 स्कूली छात्र और 12 शिक्षक अब भी अपहरणकर्ताओं के कब्जे में हैं।

24-11-2025 सूर्यास्त 5:39 बजे | 25-11-2025 सूर्योदय 6:12 बजे

BSE	NSE
85,231.92	26,068.15
(-400.76)	(-124.00)

सोना	चांदी
12,878 रु.	175,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कौन दलित

है संविधान में सब समान
फिर कौन दलित कैसे बोलो।
इतिहासों के पन्नों को पढ़,
ना वर्तमान में विष घोलो।
समरसता के सद्भावों को,
ना राजनीति से अब तोलो।
आने दो खुली हवाओं को,
इन बंद खिड़कियों को खोलो।।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोहानिसबर्ग/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधारों की जोरदार वकालत करते हुए रविवार को कहा कि भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका (इब्सा) के त्रिपक्षीय मंच को यह स्पष्ट संदेश देना चाहिए कि वैश्विक संस्था में बदलाव अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है।

मोदी ने यहां इब्सा नेताओं के शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया बिखरी और विभाजित नजर आती है, इब्सा एकता, सहयोग और मानवता का संदेश दे सकता है। उन्होंने तीनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए इब्सा एनएसए स्तरीय बैठक को संस्थागत बनाने का भी प्रस्ताव रखा।

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा और ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा की मौजूदगी में आयोजित बैठक में मोदी ने कहा, ''आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हमें करीबी समन्वय के साथ आगे बढ़ना होगा। इतने गंभीर मुद्दे पर दोहरे मापदंड के लिए कोई जगह नहीं है।''

मोदी ने एआई का दुरुपयोग रोकने के लिए वैश्विक समझौते का आह्वान किया

जोहानिसबर्ग/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का दुरुपयोग रोकने के लिए एक वैश्विक समझौते का रविवार को आह्वान किया। उन्होंने महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों को वित्त-केंद्रित के बजाय मानव-केंद्रित बनाने पर भी जोर दिया। जोहानिसबर्ग में जी20 शिखर सम्मेलन के तीसरे सत्र को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग राष्ट्रीय के बजाय वैश्विक होने चाहिए तथा इन्हें विशिष्ट मॉडल के बजाय ओपन सोर्स पद्धति पर आधारित होना चाहिए। ओपन सोर्स पद्धति से तात्पर्य सभी के लिए मुफ्त में उलब्ध होने से है। मोदी ने कहा कि इस दृष्टिकोण को भारत के प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र में एकीकृत किया गया है और इसके परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण लाभ हासिल हुए हैं, फिर चाहे वह अंतरिक्ष अनुप्रयोग हों या फिर एआई या डिजिटल भुगतान, जहां भारत दुनिया में अग्रणी है। जी20 शिखर सम्मेलन का तीसरा सत्र सभी के लिए एक निष्पक्ष और न्यायपूर्ण भविष्य-महत्वपूर्ण खनिज; सभ्य कार्य; कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर आधारित था।

मैराथन

रविवार को बेंगलूरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम से शुरू हुई केनरा बैंक मैराथन 2025 के दौरान भाग लेते हुए लोग।

जहां धर्म व कर्तव्य होगा वहीं जय होनी है : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि युद्ध का मैदान भी हमारे लिए ''धर्मक्षेत्र'' है और जहां धर्म व कर्तव्य होगा, वहीं जय होनी है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन राव भागवत की उपस्थिति में रविवार को यहां जनेश्वर मिश्र पार्क में आयोजित 'दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव' को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा, ''पूरे भारत को हमने धर्मक्षेत्र माना, इसलिए युद्ध का मैदान भी हमारे लिए धर्मक्षेत्र ही है।'' उन्होंने यह भी कहा कि आरएसएस के लिए कोई देश या संगठन आर्थिक मदद नहीं करता है, यह केवल सामाजिक सहयोग से चलता है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''कर्तव्यों से जुड़ा क्षेत्र है और धर्मक्षेत्र में जो युद्ध लड़ा जा रहा है, वह कर्तव्यों के लिए लड़ा जा रहा है। यही भाव सामने आता है तो अंत में परिणाम यह होता है कि जहां धर्म और कर्तव्य होगा, वहीं विजय होगी, इससे इतर कुछ नहीं हो सकता।''

योगी आदित्यनाथ ने कहा, ''किसी को गुरुर नहीं पालना चाहिए कि अधर्म के मार्ग पर चलकर विजय प्राप्त हो जाएगी। यह भारत के सनातन धर्म की परंपरा है कि प्रकृति का अटूट नियम है, सदैव से यही होता आया है। इसलिए हमें हमेशा यह ध्यान रखना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''दुनिया के अंदर कोई जगह नहीं होगी, जहां युद्ध का मैदान धर्मक्षेत्र के रूप में जाना जाता हो, लेकिन हमारे यहां हर कर्तव्य को पवित्र भाव से माना गया है।''

मुख्यमंत्री ने नसीहत देते हुए कहा, ''अच्छा करेंगे तो पुण्य के भागीदार बनेंगे और बुरा करेंगे तो पाप के भागीदार बनेंगे। ऐसा जब हर धर्मावलंबी सोचता है तो वह अच्छा करने का प्रयास करता है।''

इजराइल ने बेरूत पर पहला हमला कर हिज़बुल्ला प्रमुख को निशाना बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हरेत हरेक(लेबनान)/एपी। इजराइल ने लेबनान की राजधानी बेरूत पर जून के बाद पहली बार रविवार को हमला किया और हिजबुल्ला प्रमुख को निशाना बनाया। उसने ईरान समर्थित चरमपंथी समूह को पुन: हथियार न जुटाने और पुनर्निर्माण न करने की चेतावनी दी।

यह हमला, इजराइल-हिजबुल्ला युद्ध के समाप्त होने के लगभग एक वर्ष बाद किया गया है जिससे व्यापक संघर्ष शुरू होने की आशंका पैदा हो गई है।

हेथम तब्ताबाई को मार गिराने का दावा

इजराइल की सेना ने दावा किया है कि उसने रविवार को बेरूत में किए गए हमले में हिजबुल्ला के वरिष्ठ सदस्य एवं चरमपंथी हेथम तब्ताबाई को मार गिराया है। सेना ने एक बयान में तब्ताबाई को ईरान समर्थित चरमपंथी समूह का 'चीफ ऑफ स्टाफ' बताया गया है। हिजबुल्ला ने इस दावे पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। तब्ताबाई हिजबुल्ला की विशिष्ट 'रदवान इकाई' का नेतृत्व कर चुका था।

इजराइल ने यह कार्रवाई कैथोलिक ईसाई धर्म के शीर्ष नेता पोप लियो 14वें के लेबनान दौरे से कुछ दिन पहले की है।

इजराइल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज़ ने एक बयान में कहा, ''हम उत्तरी इजराइल के निवासियों और इजराइल राज्य के लिए किसी भी खतरे को रोकने के लिए सख्ती से कार्रवाई करना जारी रखेंगे।''

सरकारी प्रवक्ता शोश बेडरोसियन ने यह नहीं बताया कि क्या इजराइल ने हमले से पहले अमेरिका को सूचित किया था या नहीं। उन्होंने केवल इतना कहा कि ''इजराइल स्वतंत्र रूप से निर्णय लेता है।''

एक दिन सिंध भारत में शामिल हो सकता है : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने विभाजन के बावजूद सिंध के भारत के साथ सभ्यतागत संबंध को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी के शब्दों को याद करते हुए रविवार को कहा कि ''सीमाएं बदल सकती हैं'' और '' सिंध फिर भारत में शामिल हो सकता है''।

रक्षामंत्री ने सिंधी समुदाय द्वारा यहां आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''आडवाणी जी ने अपनी एक पुस्तक में लिखा है कि सिंधी हिंदू, विशेषकर उनकी पीढ़ी के लोग, अब भी सिंध को भारत से अलग करने की बात को स्वीकार नहीं कर पाए हैं।''

पाकिस्तान का निर्माण 1947 में तत्कालीन भारत के विभाजन के परिणामस्वरूप हुआ था, और सिंधु नदी के पास का सिंध क्षेत्र तब से पाकिस्तान का हिस्सा है। उन्होंने कहा, ''केवल सिंध में ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में हिंदू सिंधु नदी को पवित्र मानते थे। सिंध में कई मुसलमान भी मानते थे कि सिंधु नदी का पानी मक्का के आब-ए-जमजम (सबसे पवित्र जल) से कम पवित्र नहीं है।'' सिंह ने कहा, ''यह आडवाणी जी का कथन है। आज सिंध की भूमि भले भारत का हिस्सा नहीं है, लेकिन सभ्यता की दृष्टि से सिंध हमेशा भारत का हिस्सा रहेगा।

अगले प्रधान न्यायाधीश के तौर पर आज शपथ लेंगे न्यायमूर्ति सूर्यकांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत सोमवार को भारत के 53वें प्रधान न्यायधीश के रूप में शपथ लेंगे। न्यायमूर्ति सूर्यकांत जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा प्रदान करने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त करने संबंधी फैसले, बिहार मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण, पेगासस स्पाइवेयर मामला सहित कई ऐतिहासिक फैसलों और आदेशों का हिस्सा रहे हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत न्यायमूर्ति बी. आर. गवई की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल रविवार शाम समाप्त हो गया।

गत 30 अक्टूबर को न्यायमूर्ति सूर्यकांत को अगले प्रधान न्यायधीश के रूप में नियुक्त किया गया था और वह इस पद पर लगभग 15 महीने तक रहेंगे। वह 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर नौ फरवरी, 2027 को सेवानिवृत्त होंगे।

हरियाणा के हिसार जिले में 10 फरवरी, 1962 को मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे न्यायमूर्ति सूर्यकांत एक छोटे शहर के वकील से देश के सर्वोच्च न्यायिक पद तक पहुंचे हैं, जहां वह राष्ट्रीय महत्व और संवैधानिक मामलों के कई फैसलों और आदेशों का हिस्सा रहे। उन्हें 2011 में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से कानून में स्नातकोत्तर में 'प्रथम श्रेणी में प्रथम' स्थान प्राप्त करने का गौरव भी प्राप्त है।

पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में कई उल्लेखनीय फैसले लिखने वाले न्यायमूर्ति सूर्यकांत को पांच अक्टूबर, 2018 को हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया था।

श्री सत्य साई बाबा की सेवा मानवता का मार्गदर्शन करती रहेगी : मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी

पुट्टपर्थी (आंध्र प्रदेश)/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को कहा कि दिवंगत आध्यात्मिक गुरु श्री सत्य साई बाबा का जीवन और उनकी सेवा दुनिया भर के लोगों को प्रेरित करती रहेगी।

पुट्टपर्थी के श्री सत्य साई जिले में श्री सत्य साई बाबा के जन्म शताब्दी समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने अध्यात्म को सेवा से जोड़ा और अपना जीवन गरीबों के कल्याण के लिए समर्पित किया। उन्होंने कहा कि भले ही श्री सत्य साई बाबा शारीरिक रूप से मौजूद नहीं हैं लेकिन उनकी भावना हममें से हर एक व्यक्ति में जीवित है। रेड्डी ने कहा, ''श्री सत्य साई बाबा का जीवन और उनकी सेवा दुनिया भर के लोगों को प्रेरित करती रहेगी। उन्होंने हर इंसान में दिव्यता देखी और निस्वार्थ प्रेम से लोगों के दिलों को छुआ।'' मुख्यमंत्री के अनुसार, मुफ्त शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा में बाबा के योगदान से लाखों लोगों का जीवन बदल गया। साथ ही ''सत्य साई ट्रस्ट' के काम से पालमूरू जिले में पीने के पानी की समस्या दूर हो गई। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार ने अपनी देखरेख में शताब्दी समारोह आधिकारिक तौर पर आयोजित करने का निर्णय लिया है।

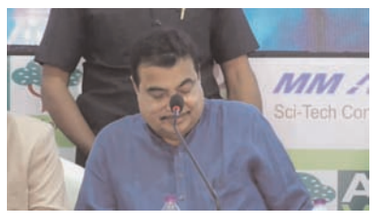

गडकरी ने कृषि विकास के लिए 'किसान उत्पादक कंपनियों' की वकालत की

नागपुर/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को किसानों की प्रगति के लिए किसान उत्पादक कंपनियों की आवश्यकता पर जोर दिया। किसान उत्पादक संगठन पर आयोजित एक कार्यशाला को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि किसानों की सभी समस्याओं को जिले के कमिश्नरेट स्तर पर किसान उत्पादक कंपनी के माध्यम से हल किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, किसानों की प्रगति और विकास के लिए हमें किसान उत्पादक कंपनियों का एक शीर्ष संगठन बनाना होगा। इन कंपनियों के माध्यम से किसान कृषि उपकरण, ट्रैक्टर, हार्वेस्टर आदि का सामूहिक उपयोग कर सकेंगे और कर्ज चुकाना भी आसान हो जाएगा। उन्होंने कहा कि खेती की लागत कम करना और पैदावार बढ़ाना सबसे जरूरी है। गडकरी ने कहा, इसी से किसान समृद्ध और खुशहाल बनेंगे। साथ ही उन्होंने उत्पादन बढ़ाने के लिए तकनीक और कृत्रिम मेधा (एआई) के उपयोग पर विशेष बल दिया। यह कार्यशाला एग्रो विजन द्वारा आयोजित की गई थी।

अमेरिका के नए प्रतिबंधों से भारत में रूसी तेल का आयात प्रभावित होने की आशंका

नई दिल्ली/भाषा। रूसी कच्चे तेल के प्रमुख निर्यातकों पर अमेरिका के नए प्रतिबंध पूरी तरह लागू होने के बाद ऊर्जा बाजार से जुड़े विश्लेषकों का मानना है कि भारत में रूसी तेल का आयात निकट भविष्य में तेजी से घटेगा, हालांकि यह पूरी तरह बंद नहीं होगा। रॉसनेफ्ट और लुकोइल तथा उनकी बहुलांश स्वामित्व वाली सहायक कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंध 21 नवंबर से लागू हो गए। इससे अब इन कंपनियों का कच्चा तेल खरीदना या बेचना लगभग नामुमकिन हो गया है।

भारत ने इस साल औसतन 17 लाख बैरल प्रतिदिन रूसी तेल का आयात किया और प्रतिबंधों से पहले यह मजबूत बना रहा। नवंबर में आयात 1819 लाख बैरल प्रतिदिन रहने का अनुमान है, क्योंकि रिफाइनरी सस्ते तेल की खरीद को अधिकतम कर रहे हैं। आगे चलकर दिसंबर और जनवरी में आपूर्ति में स्पष्ट गिरावट आने की उम्मीद है। विश्लेषकों के अनुसार यह घटकर लगभग चार लाख बैरल प्रतिदिन तक रह सकता है। परंपरागत रूप से पश्चिम एशियाई तेल पर निर्भर भारत ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर हमले के बाद रूस से अपने तेल आयात में काफी वृद्धि की। पश्चिमी प्रतिबंध और यूरोपीय मांग में कमी के कारण रूस से तेल भारी छूट पर उपलब्ध हुआ। परिणामस्वरूप, भारत का रूसी कच्चा तेल आयात कुल आयात का एक प्रतिशत से बढ़कर लगभग 40 प्रतिशत तक पहुंच गया।

सत्य साई बाबा की शिक्षाएं अनिश्चितता, संघर्ष की मौजूदा परिस्थितियों में अधिक प्रासंगिक : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुट्टपर्थी (आंध्र प्रदेश)/भाषा। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने रविवार को कहा कि दिवंगत आध्यात्मिक गुरु श्री सत्य साई बाबा का जीवन और उनकी विरासत उनके महान उपदेशों के कारण दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रेरित करती रहती है। उन्होंने कहा कि अनिश्चितता, संघर्ष और तनाव से भरे आज के वैश्विक परिवेश में बाबा की शिक्षाएं पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गई हैं।

सत्य साई बाबा के जन्म शताब्दी समारोह में अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि गुरु ने सभी से प्रेम करो, सभी की सेवा करो, सदैव मदद करो, कभी किसी को चोट न पहुंचाओ जैसे शाश्वत मूल्यों की शिक्षा दी और इन मार्गदर्शक सिद्धांतों ने उनके द्वारा किए गए प्रत्येक प्रयास और उनके द्वारा छुए गए प्रत्येक जीवन को आकार दिया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि साई बाबा ने जाति, धर्म, वर्ग और राष्ट्रीयता की सीमाओं से परे अपना पूरा जीवन मानवता के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया।

राधाकृष्णन ने कहा, ''अनिश्चितता, संघर्ष और तनाव से भरे आज के वैश्विक परिवेश में, भगवान सत्य साई बाबा की शिक्षाएं पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गई हैं। जब हम सभी नि:स्वार्थ सेवा और नैतिक जिम्मेदारी को अपनाते हैं, तो हम न केवल अपनी संस्थाओं को बल्कि अपने समाज की आत्मा को भी मजबूत करते हैं।''

ईश्वर एक है और कोई भी धर्म समाज को विभाजित नहीं कर सकता, यही साई बाबा का सबसे बड़ा उपदेश है। उनका कार्य और जीवन सच्ची आध्यात्मिकता का उदाहरण है।

श्री सत्य साई बाबा केंद्रीय ट्रस्ट, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और सामाजिक कल्याण में अपनी पहलों के माध्यम से देश के अनगिनत लोगों के जीवन में बदलाव लाते हुए, बाबा की उत्तम विरासत और कार्य को आगे बढ़ा रहा है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें शनिवार को सत्य साई बाबा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भाग लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जहां शिक्षा पूरी तरह निःशुल्क है, और शायद ऐसा करने वाला यह एकमात्र संस्थान है।

श्री सत्य साईं बाबा की जन्म शताब्दी उनकी सेवा का प्रतीक: आंध्र के मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुट्टपर्थी (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने रविवार को कहा कि दिवंगत आध्यात्मिक गुरु श्री सत्य साईं बाबा की जन्म शताब्दी उनकी सेवा और आध्यात्मिक मार्गदर्शन का प्रतीक है। श्री सत्यसाईं जिले के पुट्टपर्थी में सत्य साईं बाबा के जन्म शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए नायडू ने कहा कि उन्होंने अपने आध्यात्मिक मार्गदर्शन, करुणामय सेवा और परिवर्तनकारी कल्याण के माध्यम से विभिन्न देशों के लाखों लोगों को प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि 'सबको प्रेम करो-सबकी सेवा करो' और 'सदैव सहायता करो – कभी किसी को कष्ट मत दो' बाबा की शाश्वत शिक्षाएं हैं जो मानवता को सद्भाव की ओर ले जाती हैं। नायडू ने कहा, भगवान श्री सत्य साईं बाबा की जन्म शताब्दी, सेवा के प्रति उनकी अटूट निष्ठा की याद दिलाती है। मुख्यमंत्री ने उनके सत्य, सदाचार, शांति, प्रेम और अहिंसा के सिद्धांतों को रेखांकित किया। नायडू ने इस बात पर जोर दिया कि वर्ष भर चलने वाले शताब्दी कार्यक्रमों के माध्यम से उनकी शिक्षाओं का दुनियाभर में प्रसार किया जाना चाहिए।

भारत, इजरायल प्रस्तावित एफटीए को दो चरणों में लागू करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जेरुशलम/भाषा। भारत और इजरायल अपने प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को दो चरणों में लागू करने पर विचार कर रहे हैं, ताकि दोनों देशों के व्यापारिक समुदाय को जल्द लाभ मिल सके। यह बात वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कही।

भारत और इजरायल ने इस समझौते के लिए औपचारिक रूप से वार्ता शुरू करने के लिए बृहस्पतिवार को संदर्भ की शर्तों (टीओआर) पर हस्ताक्षर किए थे। इस टीओआर में माल के लिए बाजार पहुंच, शुल्क एवं गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करना, निवेश सुगमीकरण, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सरल बनाना, नवाचार और तकनीकी हस्तांतरण में सहयोग बढ़ाना तथा सेवा व्यापार को बढ़ावा देने के नियमों में ढील देना शामिल है। गोयल ने यहां कहा, ''हम इसे दो चरणों में करने पर विचार कर रहे हैं। वार्ता शुरू होने पर इस बारे में फैसला लिया जाएगा। दोनों मंत्री चाहते हैं कि पहला चरण जल्द पूरा हो जाए ताकि व्यापारिक समुदाय को जल्द फायदा मिलना शुरू हो जाए।'' मंत्री द्विपक्षीय व्यापार और निवेश बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करने इजरायल आए हैं। वह 60 सदस्यीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। दोनों देशों ने संवेदनशील मुद्दों को अभी छूने से बचने का फैसला किया है। गोयल ने कहा कि दोनों देश देखेंगे कि ''नवाचार और आरएंडडी किस तरह एक-दूसरे के देशों में ज्यादा निवेश ला सकते हैं। हम संयुक्त परियोजनाओं पर काम करेंगे, जहां हमें उनकी विशेषज्ञता का लाभ मिले और वे भारत जैसे बड़े बाजार का फायदा उठा सकें।''

निर्यात संवर्धन मिशन के दिशानिर्देश संभवतः अगले सप्ताह से जारी होंगे: गोयल

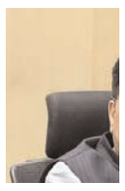

यरुशलम/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि 25,060 करोड़ रुपए के निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम) के विस्तृत दिशानिर्देश अगले सप्ताह से जारी हो सकते हैं। इसमें योजना के सभी हिस्से और उद्योग को मिलने वाले लाभों की पूरी जानकारी होगी।

सरकार ने 12 नवंबर को 25,060 करोड़ रुपए की इस योजना को मंजूरी दी थी। योजना 2025-26 से शुरू होकर छह वित्त वर्षों के लिए है। इसका मकसद अमेरिका के भारी शुल्कों से निर्यातकों को राहत देना है। यह मिशन दो उप-योजनाओं से लागू होगा निर्यात प्रोत्साहन (10,401 करोड़ रु.) और निर्यात दिशा (14,659 करोड़ रु.)। गोयल ने कहा, ''निर्यात संवर्धन मिशन के दिशानिर्देश बहुत जल्द जारी होंगे। मुझे लगता है कि अगले सप्ताह तक इसके सारे हिस्से और उद्योग को क्या फायदे होंगे, उसकी पूरी जानकारी दे दी जाएगी।'' इस मिशन के तहत उन क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी जो हाल में वैश्विक शुल्क वृद्धि से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। इनमें कपड़ा, चमड़ा, आभूषण, इंजीनियरिंग सामान और समुद्री उत्पाद शामिल हैं। इन क्षेत्रों को अमेरिकी बाजार में भारी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। ऊंचे आयात शुल्क की वजह से अक्टूबर में अमेरिका को भारत का माल निर्यात 8.58 प्रतिशत घटकर 6.3 अरब डॉलर रह गया।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सिंधी समुदाय की दृढ़ता की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को सिंधी समुदाय की सेवा के प्रति प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसने भारत की सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। बिरला यहां विज्ञान भवन में 'विश्व सिंधी हिंदू फाउंडेशन ऑफ एसोसिएशंस' (वीएसएचएफए) द्वारा आयोजित 'सशक्त समाज - समृद्ध भारत' नामक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

बिरला ने कहा कि सिंधी समुदाय ने व्यापार, उद्योग, बैंकिंग, सेवाओं और उभरती प्रौद्योगिकियों में निरंतर उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया है, जिससे लाखों लोगों के लिए आजीविका का सृजन हुआ है। उन्होंने कहा कि विभाजन के दौरान समुदाय द्वारा झेले गए कष्टों ने इसे और मजबूत किया तथा संपत्ति के जबरदस्त नुकसान के बावजूद, इसने अपने धर्म, परंपराओं, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक पहचान को दृढ़ता से बनाए रखा।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, ''सिंधी समुदाय ने असाधारण दृढ़ संकल्प के साथ अपने जीवन को पूरी तरह बदला और विपरीत परिस्थितियों को अवसर में बदल दिया। उनकी यात्रा सांस्कृतिक गौरव का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।''

अल्मोड़ा में स्कूल के पास से जिलेटिन की 161 छड़ें बरामद, जांच जारी

चंपावत/भाषा। उत्तराखंड में अल्मोड़ा जिले के सल्ट क्षेत्र में एक स्कूल के पास की झाड़ियों से विस्फोटक सामग्री जिलेटिन की 161 छड़ें मिलने से हड़कंप मच गया। हालांकि, अल्मोड़ा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पिंचा ने रविवार को कहा कि प्रारंभिक जांच में इसके किसी आतंकी घटना से तार जुड़े होने की संभावना सामने नहीं आयी है और यह मामला किसी ठेकेदार की लापरवाही का लग रहा है। मामला 21 नवंबर को तब सामने आया जब सल्ट क्षेत्र में स्थित राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, डभरा के प्रभारी प्रधानाचार्य सुभाष सिंह को परिसर के पास झाड़ियों में कुछ संदिग्ध पैकेट दिखाई दिए और उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी ।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सुरक्षा की दृष्टि से पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गयी। इसके बाद ऊधमसिंह नगर और नैनीताल जिलों से बम निरोधक दस्ते और श्वान दस्ते मौके पर बुलाए गए जिनकी मदद से क्षेत्र में विस्तृत तलाशी अभियान चलाया गया । पुलिस ने बताया कि पहले स्कूल के पास वाले स्थान से जिलेटिन की छड़ों के कुछ पैकेट बरामद हुए और फिर उससे करीब 15-20 फुट की दूरी पर कुछ और पैकेट मिले।

गैंगस्टर जैसी जीवनशैली को बढ़ावा देने वाले गायकों को अपराधी माना जाए : हरियाणा डीजीपी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ओपी सिंह ने रविवार को पुलिस अधिकारियों से कहा कि संगीत और वीडियो के माध्यम से युवाओं में गैंगस्टर जैसी जीवनशैली को बढ़ावा देने वाले गायकों को अपराधी माना जाना चाहिए और उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। शीर्ष अधिकारी ने कहा कि ये लोग युवाओं को उनके माता-पिता और शिक्षकों की ओर से दी गई शिक्षा तथा समाज के अनुशासन की मिनटों में धज्जियां उड़ा देते हैं।

हरियाणा पुलिस ने इस साल की शुरुआत में उन गानों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की थी, जो कथित तौर पर बंदूक संस्कृति को बढ़ावा देते हैं, हिंसा का 'महिमामंडन' करते हैं और नफरत भड़काते हैं। पुलिस ने इस अभियान के तहत गायकों, सोशल मीडिया और ऐसे अन्य मंचों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की थी। सिंह ने बताया कि साइबर अपराध इकाई की टीमें सोशल मीडिया पर नजर रखती हैं और जरूरत पड़ने पर उचित कार्रवाई करती हैं। उन्होंने बताया, जो गायक संगीत और वीडियो के जरिये युवाओं में गैंगस्टर जैसी जीवनशैली को बढ़ावा देते हैं, उन्हें अपराधी माना जाना चाहिए और उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।

पुलिस ने पहले बताया था कि ऐसे गाने या संगीत वीडियो बड़ी संख्या में दर्शक वर्ग को आकर्षित करते हैं और ''युवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव'' डाल सकते हैं। ऐसे कई गाने सोशल मीडिया मंचों से हटा दिए गए हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, पांच नवंबर से शुरू इस अभियान का उद्देश्य कानून-व्यवस्था को मजबूत करना है और इसके काफी अच्छे परिणाम सामने आए हैं। पुलिस ने अब तक 1,439 कुख्यात और वांछित अपराधियों के साथ-साथ 3,127 अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

'चंडीगढ़ पर केंद्र का कदम संघवाद पर हमला'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने रविवार को चंडीगढ़ प्रशासन पर केंद्र सरकार के प्रस्ताव का विरोध करते हुए संविधान के अनुच्छेद 240 में संशोधन के कदम को ''संघवाद पर हमला'' करार दिया। सुरजेवाला ने कहा कि यह प्रस्ताव ''चंडीगढ़ पर पूर्ण नियंत्रण करने की निरंकुश इच्छा'' और हरियाणा तथा पंजाब के लोगों की भावनाओं की अनदेखी को दर्शाता है।

इस कदम पर पंजाब के राजनीतिक नेताओं की तीखी प्रतिक्रिया आई है, जिसमें कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आप)और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक पर कड़ी आपत्ति जताई है। केंद्र ने संविधान के अनुच्छेद 240 के दायरे में चंडीगढ़ को शामिल करने के लिए एक विधेयक संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में लाने की योजना बनाई है, जिसके तहत राष्ट्रपति को संघ शासित क्षेत्र के लिए सीधे विनियम और कानून बनाने का अधिकार प्राप्त होता है। चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा की संयुक्त राजधानी है। केंद्र की ओर से इस संबंध में पेश विधेयक अगर पारित होता है तो चंडीगढ़ में एक स्वतंत्र प्रशासक की नियुक्ति का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा, जैसा कि पहले यहां स्वतंत्र मुख्य सचिव होता था। लोकसभा और राज्यसभा के बुलेटिन के अनुसार, सरकार एक दिसंबर से शुरू होने वाले संसद सत्र में इस संबंध में 131वां संविधान संशोधन विधेयक, 2025 पेश करेगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने रविवार को कहा कि संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में केंद्र के लिए 'कानून निर्माण की प्रक्रिया को सरल' बनाने वाले चंडीगढ़ संबंधी प्रस्तावित विधेयक को लाने का सरकार का कोई इरादा नहीं है।

पराली से हर साल 270 करोड़ रुपए मूल्य की नवीकरणीय ऊर्जा बन सकती है : आईबीए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय बायोगैस एसोसिएशन (आईबीए) ने रविवार को कहा कि किसानों द्वारा अभी जलायी जा रही 73 लाख टन धान की पराली का यदि बायोगैस संयंत्रों में इस्तेमाल किया जाए तो इससे हर साल करीब 270 करोड़ रुपए मूल्य की नवीकरणीय गैस पैदा की जा सकती है।

आईबीए के बयान के अनुसार, नवीनतम एनएरोबिक डाइजेशन प्रक्रिया इस कृषि अवशेष को बहुत प्रभावी ढंग से कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) में बदल सकती है, जो आयातित प्राकृतिक गैस की सीधी जगह ले सकती है। बयान में यह भी कहा गया कि ऊर्जा उत्पादन के अलावा धान की पराली 40 प्रतिशत सेल्युलोज़ सामग्री होने के कारण बायोएथनॉल बनाने के लिए भी बहुत अच्छी है। आईबीए ने दावा किया कि इससे लगभग 1,600 करोड़ रुपए के आयात प्रतिस्थापन की संभावना है। साथ ही, शेष 20 प्रतिशत लिग्निन घटक से उच्च-मूल्य वाले उत्पाद तैयार किए जा सकते हैं। आईबीए चेयरमैन गौरव केडिया ने कहा, ''यह नीति 2028-29 तक 37,500 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित कर सकती है और देश में 750 सीबीजी संयंत्र स्थापित करने में मदद करेगी। इससे एलएनजी आयात में कमी आएगी, विदेशी मुद्रा की बचत होगी तथा 2027 तक अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में एक प्रतिशत टिकाऊ विमान ईंधन मिलाने का लक्ष्य हासिल किया जा सकेगा।''

भाजपा 'चिकित्सा विज्ञान का सांप्रदायिकरण' कर रही : सज्जाद लोन

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद गनी लोन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर चिकित्सा विज्ञान का सांप्रदायिकरण करने का आरोप लगाया। लोन ने यह आरोप एक विश्वविद्यालय में एमबीबीएस पाठ्यक्रम में दाखिले में हिंदू छात्रों के लिए भाजपा विधायक आर एस पठानिया द्वारा आरक्षण की मांग करने के बाद लगाया है।

लोन अतीत में भाजपा के सहयोगी रह चुके हैं। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज में दाखिला राष्ट्रीय स्तर की योग्यता आधारित परीक्षा के जरिये होना चाहिए। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस पाठ्यक्रम में दाखिला पाने वाले छात्रों की सूची में 50 में से 42 छात्रों के कश्मीर से होने की बात सामने आने के बाद कई हिंदू संगठन ने नाराजगी जताई है।

सत्य साईं बाबा के सेवा के दृष्टिकोण ने स्थायी सामाजिक परिवर्तन को आकार दिया : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुट्टपर्थी (आंध्र प्रदेश)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने रविवार को कहा कि श्री सत्य साईं बाबा की करुणामयी सेवा से कई क्षेत्रों में स्थायी सामाजिक परिवर्तन हुए। श्री सत्य साईं बाबा की जन्म शताब्दी के अवसर पर श्री सत्य साईं सेंट्रल ट्रस्ट को लिखे पत्र में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समारोह उनके द्वारा शुरू की गई जनहितकारी पहलों को मान्यता देने का अवसर प्रदान करता है। स्टालिन ने कहा, श्री सत्य साईं बाबा की करुणा से प्रेरित सेवा से सार्वजनिक जीवन के कई क्षेत्रों में स्थायी सामाजिक बदलाव आया। यह पत्र तमिलनाडु के मंत्री पी. के. शेखर बाबू द्वारा लाया गया और श्री सत्य साईं सेंट्रल ट्रस्ट के प्रबंध ट्रस्टी आर. जे. रत्नाकर को सौंपा गया।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन के अनुसार, जल संरक्षण में बाबा का योगदान तमिलनाडु के साझा इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय है, क्योंकि ट्रस्ट ने कृष्णा नदी का पानी राज्य में लाने वाली परियोजना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

सीएम कल कोयम्बटूर में 'सेम्मोझी पूंगा' पार्क का उद्घाटन करेंगे

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन 25 नवंबर को कोयंबटूर में 208.50 करोड़ रुपये की लागत से बनाए गए आधुनिक सुविधाओं से लैस विश्व स्तरीय सेम्मोझी पूंगा का उद्घाटन करेंगे। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में रविवार को कहा गया कि 2010 में विश्व शास्त्रीय तमिल सम्मेलन के दौरान दिवंगत द्रमुक नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि ने इस पार्क के स्थापना की घोषणा की थी। इसमें बताया गया कि दिसंबर 2023 में मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस पार्क के शिलान्यास समारोह में भाग लिया था। एक विज्ञप्ति में सरकार ने बताया कि मुख्यमंत्री 25 नवंबर को पार्क का उद्घाटन करेंगे और उसी दिन से इसे आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। इसके बाद स्टालिन कोयंबटूर में आयोजित टीएन राइजिंग कॉन्क्लेव' में भाग लेंगे जहां पर विभिन्न कंपनियों के साथ कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद है। विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री स्टालिन 26 नवंबर को इरोड में एक सरकारी समारोह में हिस्सा लेंगे जहां वह पूरी हो चुकी परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे साथ ही कई नयी परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे।

विंग कमांडर नमांश स्याल का पार्थिव शरीर कोयंबटूर लाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। विंग कमांडर नमांश स्याल का पार्थिव शरीर रविवार को कोयंबटूर लाया गया। विंग कमांडर स्याल की दुबई एयर शो में हवाई प्रदर्शन के दौरान एक विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी।

कोयंबटूर जिले के जिलाधिकारी पवन कुमार जी गिरियप्पानवर ने पड़ोसी सुलुर स्थित वायुसेना स्टेशन पर स्याल को श्रद्धांजलि दी। स्याल हिमाचल प्रदेश के रहने वाले थे। उनकी शुक्रवार (21 नवम्बर) को दुबई एयर शो में हवाई प्रदर्शन के दौरान स्वदेशी बहुउद्देश्यीय हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए), तेजस के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण मृत्यु हो गई थी।

सूत्रों ने बताया, विंग कमांडर नमांश स्याल के पार्थिव शरीर पर कोयंबटूर के जिलाधिकारी पवन कुमार जी गिरियप्पानवर ने आज सुबह वायुसेना स्टेशन पर पुष्पचक्र अर्पित किया। सुलूर वायुसेना स्टेशन, कोयंबटूर के पास भारतीय वायुसेना का एक एयर बेस है। इसका संचालन दक्षिणी वायु कमान द्वारा किया जाता है।

टीवीके प्रमुख विजय ने चुनाव प्रचार अभियान पुनः शुरू किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के प्रमुख विजय ने रविवार को तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) का नाम लिए बगैर उस पर अवैध रेत खनन के जरिये 4,730 करोड़ रुपये की लूट' का आरोप लगाया। साल 2026 के विधानसभा चुनाव के लिए लगभग दो महीने के अंतराल के बाद अपना अभियान शुरू करते हुए उन्होंने यह बात कही। उन्होंने उस पर वंशवादी राजनीति का भी आरोप परोक्ष रूप से लगाया और दावा किया कि सत्तारूढ़ पार्टी अपने संस्थापक सी. एन. अन्नादुरई के 'जनता के बीच जाओ' वाले निर्देश को भूल गई है।

कांचीपुरम जिले के एक ऑडिटोरियम में पार्टी कार्यकर्ताओं, प्रशंसकों और आम जनता को संबोधित करते हुए विजय ने सीधे तौर पर नाम लिए बिना आरोप लगाया कि द्रमुक की विचारधारा केवल लूट करना है। उन्होंने कहा, वे बस विचारधारा की बातें करते हैं, अपने सारे सिद्धांतों को गिरवी रख चुके हैं, और ऐसे अभिनय करते हैं मानो सिद्धांतों पर उनका ही एकाधिकार हो। क्या उनकी विचारधारा सिर्फ लूटना ही नहीं है? क्या आपको लगता है लोग यह सब नहीं जानते?

विजय ने कहा कि पालार नदी कांचीपुरम क्षेत्र की जीवनरेखा है और ऐसी जीवनदायिनी नदी को उन लोगों ने बर्बाद व नष्ट कर दिया है जो समाज सुधारक पेरियार ई.वी. रामासामी और अन्ना के नाम का केवल उपयोग करते हैं। उन्होंने कहा कि अवैध रेत खनन के जरिए 4,730 करोड़ रुपये की छोटी सी राशि की लूट हुई है और लगभग 22.70 लाख यूनिट रेत का स्वीकृत सीमा से अधिक खनन किया गया है।

द्रमुक पर वंशवादी राजनीति का आरोप लगाया

विजय ने कहा, वे सबूत नहीं मांग सकते क्योंकि यह (मामला) अदालत में है और प्रवर्तन निदेशालय इसकी जांच कर रहा है अगर रेत लूटी जाती है, तो जल स्रोत नष्ट हो जाएंगे, कृषि नष्ट हो जाएगी और अगर कृषि नष्ट हो गई, तो किसान बर्बाद हो जाएंगे। कुल मिलाकर, हम सब पूरी तरह बर्बाद हो जाएंगे। क्या आपने कभी सुना है कि कोई पार्टी ऊपर से नीचे तक लूट करने के लिए सिंडिकेट बनाती है? नवगठित टीवीके के प्रमुख ने द्रमुक पर वंशवादी राजनीति का आरोप परोक्ष रूप से लगाते हुए पार्टी के दिवंगत नेता एम. करुणानिधि के उस पुराने वक्तव्य को याद किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि उनकी पार्टी कांचीपुरम का शंकर मठ नहीं है। दिवंगत करुणानिधि ने यह टिप्पणी एक विशेष संदर्भ में की थी, ताकि यह दोहराया जा सके कि पार्टी अपना अध्यक्ष स्वयं तय करती है और किसी को भी मठ की तरह यूं ही शीर्ष पद पर नियुक्त नहीं किया जाता। उन्होंने दिवंगत एम.जी.आर. की विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षा, एक स्थायी मकान, एक मोटरसाइकिल और सभी के लिए एक कार टीवीके के लक्ष्यों में शामिल है। विजय ने कहा कि वह करूर भगदड़ के बारे में बाद में बात करेंगे।

करूर में 27 सितंबर की भगदड़ की घटना के बाद, विजय ने पहली बार अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं और लोगों को संबोधित किया। इसके साथ ही अगले साल राज्य विधानसभा चुनाव से पहले उनका अभियान फिर से शुरू हो गया। विजय ने कहा कि टीवीके अगले साल विधानसभा चुनाव से पहले अपने घोषणापत्र में जनता के लिए अपना दृष्टिकोण पेश करेगी। साथ ही उन्होंने पार्टी के कुछ आकांक्षी लक्ष्य साझा करने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कांचीपुरम के बुनकरों की पीड़ा के बारे में विस्तार से बात की, जो विश्वस्तरीय रेशमी और हथकरघा कपड़े बनाते हैं।

विजय ने राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि उसने उन्हें उसी तरह नजरअंदाज किया जैसे डेल्टा जिलों के किसानों को किया। टीवीके प्रमुख ने कहा, हर किसी के पास पक्का घर होना चाहिए। हर घर में एक मोटरसाइकिल जरूर होनी चाहिए। कार भी एक लक्ष्य है; इसे पाने के लिए हमें आर्थिक विकास का रास्ता बनाना होगा।

कमल हासन, सोनू सूद और अदनान सामी ने विंग कमांडर नमांश स्याल को श्रद्धांजलि दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। अभिनेता कमल हासन, सोनू सूद और गायक अदनान सामी ने दुबई एयर शो के दौरान तेजस विमान उड़ाते समय हुई दुर्घटना में विंग कमांडर नमांश स्याल के निधन पर दुख जताया है। हिमाचल प्रदेश के रहने वाले स्याल की शुक्रवार को दुबई एयर शो में हवाई प्रदर्शन के दौरान स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस के दुर्घटनाग्रस्त होने से मौत हो गई। हासन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, विंग कमांडर नमांश स्याल के निधन के बारे में सुनकर बहुत दुख हुआ, जिन्होंने हमारी वायुसेना की शान तेजस विमान को उड़ाते समय जान गंवा दी।''

उन्होंने लिखा, ''भारत का एक बहादुर बेटा बहुत जल्दी चला गया। उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। दुख की इस घड़ी में भारत आपके साथ है।'' सूद ने 'एक्स' पर लिखा, भारत विंग कमांडर नमांश स्याल के निधन का शोक मना रहा है, जो तेजस विमान के एक बहादुर पायलट थे। उन्होंने वह काम करते हुए अपनी जान गंवा दी जिससे उन्हें प्यार था। वह काम था अपने देश के लिए उड़ान भरना। उनकी हिम्मत और कुर्बानी हमेशा हमारे दिलों में कायम रहेगी। एक सच्चे हीरो को सलाम। जय हिंद। सामी ने भी दिवंगत कमांडर को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, विंग कमांडर नमांश स्याल के दुखद निधन के बारे में जानकर बहुत दुखी हूं... भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। स्याल के परिवार में उनके पिता, माता, पत्नी और उनकी छह साल की बेटी हैं। स्याल की पत्नी भी वायुसेना में सेवाएं दे रही हैं।

केनरा मैराथन-2025 का समापन 12,000 धावकों की शानदार भागीदारी के साथ हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केनरा बैंक की वार्षिक मैराथन, केनरा मैराथन-2025, 23 नवंबर को श्रीकंटीरवा स्टेडियम में आयोजित हुई, जिसमें तीन दौड़ श्रेणियों-3 किमी, 5 किमी और 10 किमी-में रिकॉर्ड 12,000 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और एथलेटिक्स का एक रोमांचक प्रदर्शन देखने को मिला। इस मैराथन में 3 साल के बच्चों से लेकर 97 साल के प्रेरणादायक बुजुर्गों तक ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन और शुभारंभ केनरा बैंक के एमडी एवं सीईओ सत्यनारायण राजू और भारतीय क्रिकेट टीम के प्रसिद्ध क्रिकेटर वेंकटेश प्रसाद ने किया, जिसमें सामुदायिक भावना और फिटनेस का जश्न मनाया गया। यह कार्यक्रम धीरज, तंदुरुस्ती और एकता का प्रमाण था क्योंकि विविध पृष्ठभूमियों से आए धावकों ने इस चुनौती को स्वीकार किया। 10 किलोमीटर दौड़ में, धर्मेंद्र पूर्णिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष वर्ग में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि कविता यादव महिला वर्ग में विजेता बनकर उभरीं और दर्शकों ने तालियाँ बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया। 5 किलोमीटर दौड़ में, जयेश पाटिल ने पुरुषों के अंडर-60 वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया, और चंदा ने महिला वर्ग में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। 3 किलोमीटर की दौड़ भी उतनी ही जीवंत रही, जिसने आम धावकों और परिवारों के बीच फिटनेस को बढ़ावा दिया और एक समावेशी माहौल को बढ़ावा दिया। मैराथन को दर्शकों और स्वयंसेवकों का उत्साहपूर्ण समर्थन मिला। 10 किमी वर्ग में शीर्ष पुरुष और महिला विजेताओं को 2-2 लाख रुपये नकद पुरस्कार दिए गए, जबकि 5 किमी वर्ग के विजेताओं को 1 लाख रुपये मिले।

10 किमी दौड़ के लिए उपविजेताओं को 1 लाख रुपये और 50,000 रुपये, तथा 5 किमी दौड़ के लिए 50,000 रुपये और 25,000 रुपये दिए गए। 10 किमी और 5 किमी वर्ग में 60 वर्ष से अधिक आयु के विजेताओं को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

केनरा बैंक के एमडी और सीईओ, के सत्यनारायण राजू ने इस आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा, हमें इस वर्ष केनरा मैराथन में लोगों की भारी भागीदारी और सौहार्दपूर्ण भावना देखकर बेहद गर्व हो रहा है। अनुभवी एथलीटों से लेकर पहली बार मैराथन में भाग लेने वालों और परिवारों तक, हर धावक द्वारा दिखाया गया उत्साह और दृढ़ संकल्प, वास्तव में फिटनेस और सामुदायिक कल्याण का सार प्रस्तुत करता है। हम सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई देते हैं और सभी आयु वर्गों और पृष्ठभूमियों में स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करने की इस परंपरा को जारी रखने के लिए तत्पर हैं।

बीपीओ कर्मचारियों के अपहरण के मामले में आठ लोग गिरफ्तार

बेंगलूरु। पुलिस ने बेंगलूरु की एक बीपीओ कंपनी के चार प्रबंधक-स्तर के उन कर्मचारियों को मुक्त लिया है, जिन्हें कथित तौर पर आठ लोगों के एक गिरोह ने पुलिसकर्मी बनकर अगवा कर लिया था। पुलिस ने इस मामले में एक पुलिस कांस्टेबल सहित सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने कथित तौर पर कंपनी के संचालन प्रबंधक से 8.90 लाख रुपये की जबरन वसूली की थी और उनसे और अधिक पैसों की मांग कर रहे थे। घटना शुक्रवार मध्यरात्रि के आसपास हुई और ज्यादातर आरोपी कोलार के रहने वाले हैं। सूत्रों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से एक व्यक्ति कोलार में पुलिस कांस्टेबल है। मामले में जांच जारी है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों ने दावा किया था कि वे साइबर अपराध की जांच करने वाले पुलिसकर्मी हैं। अपहृत बीपीओ प्रबंधकों को कोलार जिले के मालूर में बंधक बनाकर रखा था। रविवार को पत्रकारों से बात करते हुए गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बताया कि कोरमंगला मामले में गिरफ्तारियां की गई हैं। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार पुलिस कांस्टेबल, मालूर टाउन पुलिस थाने में तैनात है। गृह मंत्री ने कहा कि विभाग में सतर्क रहने के लिए निर्देश दिए जाएंगे और ऐसे मामलों में शामिल पुलिस कर्मियों के खिलाफ अनुशासनात्मक एवं कानूनी कार्रवाई करते हुए कठोर कदम उठाया जाएगा। बेंगलूरु दक्षिण-पूर्व की पुलिस उपायुक्त(डीसीपी) सारा फातिमा ने शनिवार को पत्रकारों को बताया, ''शुक्रवार की रात एक बजे, पुलिस बनकर पहुंचे आठ लोग कोरामंगला थाना क्षेत्र के एक बीपीओ में काम करने वाले चार प्रबंधक-स्तर के कर्मचारियों को पूछताछ के बहाने अपने साथ ले गए और उनका अपहरण कर लिया।''

भाजपा नेता ने सत्तारूढ़ कांग्रेस पर 'खरीद-फरोख्त' का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर गुटों के बीच खरीद-फरोख्त' का आरोप लगाते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने रविवार को दावा किया कि विधायकों को अपने पाले में करने के लिए उन्हें 50 करोड़ रुपये, एक फ्लैट और एक कार की पेशकश की जा रही है। नारायणस्वामी ने कर्नाटक प्रभारी एवं कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला पर मंत्री पद के उम्मीदवारों से 200 करोड़ रुपये की कथित तौर पर मांग करने का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की और कहा कि वह इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को पत्र लिखने की योजना बना रहे हैं। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब कांग्रेस सरकार ने अपने पांच साल के कार्यकाल का आधा पड़ाव पार कर लिया है और राज्य में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलें लगाई जा रही हैं। कुछ नेता इसे 'नवंबर क्रांति' कह रहे हैं। सरकार ने 20 नवंबर को अपने कार्यकाल के ढाई साल पूरे कर लिए। नारायणस्वामी ने यहां संवाददाताओं से कहा, कांग्रेस में अंदरूनी कलह से ज्यादा खरीद-फरोख्त हो रही है।

उन्होंने कहा, पहले हमने सुना था कि प्रत्येक विधायक को 50 करोड़ रुपये की पेशकश की जा रही थी। अब सौदेबाजी बढ़ गई है। कुछ विधायक 75 करोड़ रुपये की मांग कर रहे हैं, तो कुछ 100 करोड़ रुपये तक। लेकिन मुझे बताया गया है कि 50 करोड़ रुपये के साथ एक फ्लैट और 'एक फॉर्च्यूनर' कार की पेशकश की जा रही है। भाजपा नेता ने कहा कि जहां पहले 'खरीद-फरोख्त' की बातें प्रतिद्वंद्वी दलों के बीच सुनी जाती थीं, वहीं अब यह कांग्रेस के भीतर ही हो रही है। उन्होंने कहा, कांग्रेस में कई गुट हैं लेकिन दो बड़े गुटों का नेतृत्व मुख्यमंत्री और उप-मुख्यमंत्री कर रहे हैं। मैंने सुना है कि दोनों पक्ष एक-दूसरे से विधायकों को खरीदने की कोशिश कर रहे हैं। इसकी जांच होनी चाहिए और मैं ईडी को पत्र लिख रहा हूं।

नारायणस्वामी ने विधायकों को 'खरीदने' के लिए जनता के पैसे के दुरुपयोग का आरोप लगाया। विधान परिषद में विपक्ष के नेता ने आरोप लगाया कि सुरजेवाला ने 200 करोड़ रुपये की मांग कर मंत्री पद के दावेदारों के साथ 'व्यापार' शुरू कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि ईडी के एक मामले में गिरफ्तार विधायक के.सी. वीरेंद्र 'पप्पी' ने कथित तौर पर अग्रिम भुगतान कर दिया है।

नारायणस्वामी ने कहा, इसकी जांच होनी चाहिए और सुरजेवाला को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। वह मंत्री पद के लिए व्यापार कर रहे हैं। भाजपा नेता ने किसानों और दलितों की समस्याओं का हवाला देते हुए कांग्रेस सरकार पर जनता से विश्वासघात' करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि 'कांग्रेस सत्ता के 'नशे में चूर' हैं और जनता उन्हें सबक सिखाएगी'।

सत्तारूढ़ दल को लगभग 140 विधायकों का समर्थन प्राप्त है। पार्टी नेता ने विपक्ष के रूप में भाजपा के चुप न रहने का संकेत देते हुए कहा, अगर कांग्रेस सरकार जनता की चिंताओं का समाधान किए बिना विधायकों की खरीद-फरोख्त जैसी गतिविधियों में लिप्त रहती है, तो हम चुप नहीं बैठेंगे।

इस पर कांग्रेस आलाकमान फैसला लेगा : कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों पर खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदलने को लेकर अटकलें बंद होने का नाम नहीं ले रही हैं। ऐसे में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को कहा कि यह जो कुछ भी है, इस पर पार्टी आलाकमान फैसला लेगा तथा फिलहाल उनके पास कहने के लिए कुछ नहीं है। कांग्रेस प्रमुख के इस बयान से एक दिन पहले यहां मुख्यमंत्री सिद्दारामय्या के साथ उनकी एक घंटे से अधिक समय तक बैठक हुई थी। खरगे ने यहां अपने आवास पर पत्रकारों से कहा, जो भी घटनाक्रम हुए हैं, उनके बारे में कहने के लिए मेरे पास कुछ नहीं है। इसलिए आप (मीडिया) यहां खड़े होकर अपना समय बर्बाद कर रहे हैं और मुझे भी बुरा लग रहा है। जो होना है, आलाकमान करेगा। आपको इस बारे में और चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार का पांच में से ढाई साल का कार्यकाल 20 नवंबर को पूरा हो गया। ऐसे में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों के बीच सत्तारूढ़ पार्टी में सत्ता संघर्ष तेज हो गया है।

खरगे से मिलने के बाद शनिवार रात पत्रकारों से बातचीत में सिद्दारामय्या ने मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल से जुड़े सवाल के जवाब में कहा था कि वह आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे, और सभी को ऐसा ही करना चाहिए। सिद्दारामय्या की एक सप्ताह से भी कम समय में खरगे के साथ यह दूसरी मुलाकात थी। हालांकि, सिद्दारामय्या ने नेतृत्व परिवर्तन को लेकर जारी चर्चाओं को अटकलें करार दिया था। मुख्यमंत्री की एआईसीसी प्रमुख के साथ बैठक से पहले उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के समर्थक कुछ विधायकों ने 20 नवंबर को सरकार का ढाई साल का कार्यकाल पूरा होने पर दिल्ली जाकर खरगे से मुलाकात की थी। हालांकि, शिवकुमार ने कहा कि उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि विधायक दिल्ली खरगे से मिलने गए हैं।

मुख्यमंत्री सिद्दारामय्या के करीबी माने जाने वाले मंत्री एच. सी. महादेवप्पा और के. वेंकटेश ने रविवार को खरगे से उनके आवास पर मुलाकात की। खरगे से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए महादेवप्पा ने कहा कि अभी मुख्यमंत्री बदलने की कोई स्थिति नहीं है, और अगर ऐसी स्थिति आती है, तो कांग्रेस आलाकमान फैसला करेगा। उन्होंने खरगे से मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताते हुए कहा कि बैठक के दौरान पार्टी को संगठित करने और आगामी स्थानीय निकाय चुनाव की तैयारियों पर चर्चा हुई।

महादेवप्पा ने कहा कि पार्टी नेतृत्व में बदलाव का कोई सवाल ही नहीं है और मुख्यमंत्री सिद्दारामय्या अच्छी तरह से काम कर रहे हैं। महादेवप्पा ने मुख्यमंत्री बदलने को लेकर राय शुमारी कराने के लिए पार्टी में किसी हस्ताक्षर अभियान से भी इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, अब तक किसी ने हमें कॉल नहीं की है और न ही किसी और तरह संपर्क किया है। महादेवप्पा ने कहा, कांग्रेस अपना कार्यकाल पूरा करेगी और 2028 में सत्ता में वापस आएगी। मुख्यमंत्री 2028 तक रहेंगे और कार्यकाल पूरा करेंगे।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, एक ओर सिद्दारामय्या अपने मंत्रिमंडल में फेरबदल के लिए दबाव डाल रहे हैं, तो दूसरी ओर शिवकुमार चाहते हैं कि पार्टी पहले नेतृत्व परिवर्तन पर फैसला करे। पार्टी के कई सूत्रों के अनुसार, अगर कांग्रेस आलाकमान मंत्रिमंडल फेरबदल को मंजूरी देता है, तो यह संकेत होगा कि वर्तमान मुख्यमंत्री सिद्दारामय्या पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। सूत्रों का कहना है कि इससे मुख्यमंत्री बनने की शिवकुमार की संभावनाएं कमजोर पड़ जाएंगी।

मई 2023 में विधानसभा चुनाव परिणामों की घोषणा के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए सिद्दारामय्या और शिवकुमार के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी। कांग्रेस ने शिवकुमार को मनाने में कामयाबी हासिल की और उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया। उस समय कुछ खबरें आई थीं कि बारी बारी से मुख्यमंत्री पद संभालने के फॉर्मूले के आधार पर समझौता हुआ है। खबरों में कहा गया था कि समझौते के अनुसार शिवकुमार ढाई साल बाद मुख्यमंत्री बनेंगे। हालांकि, पार्टी ने इस फॉर्मूले की पुष्टि नहीं की थी।

थार की धरती पर इतिहास : 200 किमी लंबी 'वेदांता टूर डी थार' अंतरराष्ट्रीय साइक्लिंग रेस का सफल आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल की पहल पर देश में पहली बार 200 किमी लंबी 'वेदांता टूर डी थार' अंतर्राष्ट्रीय साइक्लिंग रेस का आयोजन बीकानेर में किया गया। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने रविवार सुबह 08.15 बजे नौरंगदेसर में साइक्लिंग रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा, खाजूवाला विधायक डॉ विश्वनाथ मेघवाल, डूंगरगढ़ विधायक ताराचंद सारस्वत, लालेश्वर महादेव मंदिर के महंत विमर्शानंद, फ्रांस से आए पीयर गिरबॉड सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

साइक्लिंग रेस का आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सांसद खेल महोत्सव 2025 के अंतर्गत जामनगर से अमृतसर भारतमाला एक्सप्रेस वे पर नौरंगदेसर में हुआ। एनएचएआई के सहयोग से नौरंगदेसर से देसलसर तक 50 किलोमीटर की दूरी में सड़क को दोनों साइड से ट्रैफिक फ्री रखा गया। साइकिल रेस का आयोजन युवा मामले और खेल मंत्रालय के फिट इंडिया, वेदांता, साइकिल फेडरेशन ऑफ इंडिया, एसबीआई, नेवली इंडिया, हल्दीराम ग्रुप इत्यादि के संयुक्त तत्वाधान में हुआ। इस अवसर पर केंद्रीय कानून मंत्री मेघवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि 23 नवंबर का दिन बीकानेर के खेल के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाने वाला सिद्ध होने वाला है। हर साल इस साइक्लिंग रेस का आयोजन इसी स्थान पर होगा। इससे पर्यटन के क्षेत्र में बीकानेर का नाम न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर भी चमकेगा। साथ ही कहा कि बीकानेर में आगामी बजट में बीकानेर में साइकिल इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर घोषणा होगी। उन्होंने कहा कि इस साइक्लिंग रेस प्रतियोगिता का आयोजन जामनगर से अमृतसर भारतमाला एक्सप्रेस वे पर उसी स्थान पर हो रहा है जहां 8 जुलाई 2023 को प्रधानमंत्री के नौरंगदेसर आगमन पर बीकानेर के 100 साइकिलिस्टों ने उनकी अगवानी की और बरसात के बीच सभा स्थल तक प्रधानमंत्री के साथ चले। प्रधानमंत्री जी ने भी इस आयोजन को लेकर बधाई दी है।

सीएफआई के वी.एन.सिंह ने बताया कि भारत में साइक्लिंग रेस का आयोजन नोएडा, चेन्नई, बैंगलोर, हैदराबाद, चंडीगढ़ इत्यादि जगहों पर होता है। जो 50-60 किलोमीटर तक ही आयोजित की जाती है। देश में पहली बार 200 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय साइक्लिंग रेस का आयोजन हुआ है। सिंह ने बताया कि साइक्लिंग रेस में फ्रांस, स्विजरलैंड, सिंगापुर समेत देश के विभिन्न राज्यों राजस्थान समेत जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा,उड़ीसा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड, गुजरात, गोआ, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, चंडीगढ़, दमन एवं दीव, दादरा एंड नगर हवेली के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय साइकिलिस्टों ने हिस्सा लिया। हिस्सा लेने वालों में 16 वर्ष से लेकर 69 वर्ष आयु तक के प्रतिभागी शामिल थे। सीएफआई के वी.एन.सिंह ने बताया कि यह साइक्लिंग रेस एलिट और एमेच्योर दो कैटेगरी में आयोजित हुई। एलिट कैटेगरी की साइकिल रेस 100 किमी और एमेच्योर 200 किमी आयोजित की गई। एलिट में टॉप 10 पुरुष और महिला खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। वहीं एमेच्योर कैटेगरी में 100 और 200 किमी लंबी साइकिल रेस का आयोजन किया गया। एमेच्योर कैटेगरी में पुरुष और महिला दोनों के लिए 16-30 वर्ष, 31-45 वर्ष और 45 वर्ष से ज्यादा के तीन-तीन अलग-अलग वर्ग बनाए गए। इसमें टॉप 03 को और अलग-अलग आयु वर्ग में भी टॉप थ्री को पुरस्कृत किया गया। सीएफआई के वी.एन.सिंह ने बताया कि एलिट कैटेगरी में आयोजित 100 किमी साइक्लिंग रेस में पुरुष वर्ग में टॉप 10 खिलाड़ी क्रमश: साहिल कुमार, विश्वजीत सिंह, सचिन देसाई, मुकेश कुमार कस्वां, सूर्या थट्टू, वैंकप्पा केंगालागुट्टी, अरशद फरीदी, चिराग सहगल, अदवैथ शंकर एसएस और कृष्णा नायाकोडी रहे।

सिंह ने बताया कि एलिट कैटेगरी में आयोजित 100 किमी साइक्लिंग रेस में महिला वर्ग में टॉप 10 खिलाड़ी क्रमश: स्वास्ति सिंह, सौम्या अंतापुर, हर्षिता जाखड़, दानाम्मा, वैष्णवी गाभाने, सुहानी कुमारी, योगेश्वरी कदम, पारूल, आरती और कृष्णा चौधरी रहीं।

सीएफआई के वी.एन.सिंह ने बताया कि इस साइकिल रेस में कुल 27 लाख के पुरस्कार दांव पर थे। एलीट वर्ग में टॉप 10 पुरस्कार में क्रमश: सवा लाख, 90 हजार, 75 हजार, 60 हजार, 50 हजार, 40 हजार, 35 हजार, 30 हजार, 20 हजार, 15 हजार के पुरस्कार , वहीं एमेच्योर कैटेगरी में विभिन्न आयु वर्ग के पुरस्कारों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहने वालों को क्रमश: 75 हजार, 60 हजार और 50 हजार का पुरस्कार व ओवर ऑल प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाले प्रतिभागियों को क्रमश: 40 हजार, 30 हजार और 25 हजार के पुरस्कार दांव पर थे।

कांग्रेस ने राजस्थान में 45 जिलाध्यक्ष नियुक्त किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस ने संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत राजस्थान में 45 जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की घोषणा शनिवार को की। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने नवनियुक्त जिलाध्यक्षों को बधाई व शुभकामनाएं दीं। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, ''अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत राजस्थान में कांग्रेस संगठन को नयी ऊर्जा प्रदान करने के लिए नव-नियुक्त किए गए समस्त जिला अध्यक्षों को हार्दिक बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

उन्होंने नवनियुक्त जिलाध्यक्षों से कहा, राजस्थान में कांग्रेस संगठन हमेशा से संविधान, सामाजिक न्याय और जनसरोकार की सबसे मजबूत आवाज रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व द्वारा सौंपी गई इस जिम्मेदारी को आप पूरी निष्ठा, समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ निभाएंगे एवं नयी मिसाल कायम करेंगे। डोटासरा ने अपने पोस्ट में लिखा, आइए हम सब मिलकर संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में राजस्थान में कांग्रेस संगठन को और अधिक सशक्त करें व आने वाले समय में ऐतिहासिक जनसमर्थन हासिल कर न्याय के संकल्प को सिद्ध करें। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा,''संगठन सृजन अभियान के माध्यम से राजस्थान में नवनियुक्त जिला अध्यक्षों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। गहलोत ने कहा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे एवं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की इस नायाब पहल से यह नया प्रयोग हुआ है। अब यह हम सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि नवनियुक्त जिला अध्यक्षों के साथ काम कर उन्हें सफल बनाएं एवं नवनियुक्त जिला अध्यक्ष भी सभी को साथ लेकर आगे काम करें।

डिवाइडर तोड़कर थार ने श्रद्धालुओं को मारी टक्कर, 2 की मौत

भरतपुर। मथुरा बाइपास स्थित गोलपुरा मोड़ के पास देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें दूदू से लौट रहे श्रद्धालुओं की इको कार को सामने से डिवाइडर तोड़कर आई तेज रफ्तार थार ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि आठ लोग घायल हो गए। घायलों में तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिनमें से एक को डॉक्टरों ने जयपुर रेफर कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, थार गाड़ी अखड्ड की ओर से तेज रफ्तार में डिवाइडर तोड़कर सीधे इको कार से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि इको कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार श्रद्धालु अंदर फंस गए। मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि थार चालक नशे की हालत में था और ओवर स्पीड में वाहन चला रहा था। गुस्साए ग्रामीणों ने जहां घायलों को बाहर निकालने में मदद की, वहीं भड़के लोगों ने चालक की पिटाई भी कर दी। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और थार में सवार चारों युवकों को डिटेन कर लिया। पुलिस सभी से पूछताछ कर रही है। घायलों को आरबीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने इको कार चालक 25 वर्षीय नरेंद्र और महिला श्रद्धालु नीतू को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को जयपुर रैफर किया गया है। सेवर थानाधिकारी सतीशचंद शर्मा के अनुसार, सभी घायलों का उपचार आरबीएम में जारी है।

सीकर में हवा जहरीली, 22 लोग अस्पताल में भर्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीकर। सीकर शहर में अचानक बढ़े वायु प्रदूषण ने स्थानीय निवासियों और बच्चों की सेहत पर सीधा असर डाला। सांस लेने में तकलीफ, आंखों में जलन और चक्कर आने जैसी शिकायतों के बाद 22 लोगों को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा, जिनमें 15 बच्चे शामिल हैं। मामले ने स्वास्थ्य विभाग से लेकर प्रशासन तक को तुरंत हरकत में ला दिया है। अस्पताल पहुंचे बच्चों की स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। एडीएम रतन लाल ने बताया कि स्थिति को नियंत्रण में कर लिया गया है और सभी मरीजों को जरूरी प्राथमिक उपचार दिया गया है। हालांकि, घटना ने शहर में प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था की गंभीरता पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

एडीएम रतन लाल ने कहा यहां लाए गए बच्चे लगभग ठीक हैं। हम पूरी घटना की जांच कर रहे हैं। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम मौके पर भेज दी गई है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि पास की एक भट्टी में कपड़े जलाए जा रहे थे, जिससे भारी धुआं फैल गया। इसी के कारण लोगों को सांस लेने में दिक्कत हुई। सूत्रों के अनुसार, जिस इलाके में समस्या पैदा हुई, वहां सुबह से ही हवा में धुंध और तीखी गंध महसूस हो रही थी। कुछ ही देर में बच्चों को खांसी, सीने में जकड़न और सांस रुकने जैसी शिकायतें होने लगीं। स्थानीय लोग तुरंत उन्हें नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे। स्थिति गंभीर होती देख प्रशासन ने मेडिकल टीम को अलर्ट कर दिया और अतिरिक्त डॉक्टर्स की तैनाती की गई।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम मौके पर पहुंचकर सैंपल ले रही है। अधिकारियों का कहना है कि भट्टी में बड़ी मात्रा में सिंथेटिक कपड़े और मल्टी-फाइबर सामग्री जलाए जाने से जहरीला धुआं उठा, जिसका सीधा असर बच्चों पर पड़ा।

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय द्वारा 'पश्चिमी राजस्थान में पर्यटन की पुनर्कल्पना' विषयक संगोष्ठी आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय पर्यटन एवं कला मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में पर्यटन स्थलों पर पर सुविधाएं बढ़ाने के साथ इनमें कनेक्टिविटी बढ़ाने की दिशा में भी सुनियोजित तरीके से प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री शेखावत रविवार को महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग द्वारा 'विकसित भारत विकसित राजस्थान2047 के संदर्भ में 'पश्चिमी राजस्थान में पर्यटन की पुनर्कल्पना' विषयक संगोष्ठी को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में शिवबाड़ी महंत स्वामी विमर्शानन्द तथा बीकानेर (पश्चिम) विधायक जेठानंद व्यास अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि वैश्विक परिदृश्य पर दुनिया के देशों में जीडीपी की10 प्रतिशत से ज्यादा भागीदारी पर्यटन क्षेत्र की है। भारत में यह भागीदारी 5.5 प्रतिशत है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में योजनाबद्ध और चरणबद्ध तरीके से प्रयास करते हुए इसे विश्व जीडीपी के औसत पर लाने की दिशा में काम किया जा रहा है। इसके लिए पॉलिसी निर्धारण और क्रियान्वयन किया जा रहा है। शेखावत ने कहा कि देश की पर्यटन जीडीपी में राजस्थान का हिस्सा अन्य प्रदेशों की तुलना में अधिक है। यहां जैसी संभावनाएं और विविधताएं हैं, इनके मध्यनजर यहां अनेक अवसर मौजूद हैं। भारत में अमेरिका के बाद डॉमेस्टिक टूरिज्म की सर्वाधिक संभावनाएं हैं। गत वर्ष अयोध्या के राम मंदिर में 8 करोड़ तथा उज्जैन के महाकाल मंदिर में 7.5 करोड़ लोग पहुंचे। गत महाकुंभ में 45 दिनों में 66 करोड़ लोगों का पहुंचना इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कोविड के बाद हमारा देश पर्यटन की दृष्टि से टॉप रिवाइवल देश में है।

उदयपुर में प्रवासी उद्योगपति की बेटी की शादी के कार्यक्रमों में जुटी अनेक हस्तियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

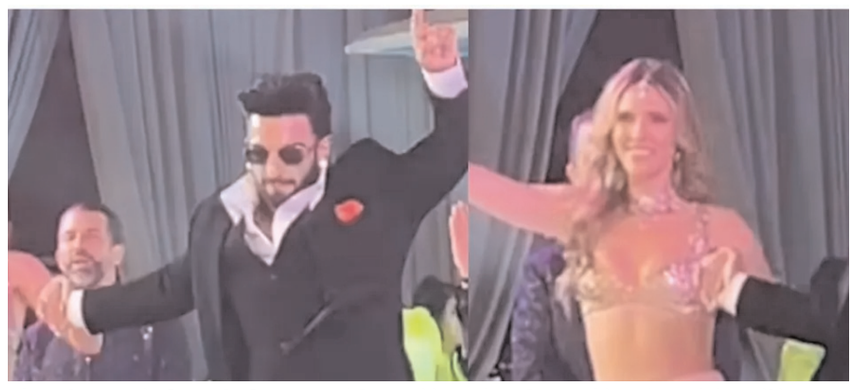

उदयपुर। भारतीय मूल के अमेरिकी उद्योगपति राजू रामलिंगा मंटेना की बेटी नेत्रा मंटेना की शादी के कार्यक्रम झीलों की नगरी उदयपुर में शुरू हो गए हैं, जहां सिटी पैलेस के माणक चौक में संगीत और मेहंदी की रस्म में अनेक जानी मानी हस्तियां शामिल हुईं। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात संगीत कार्यक्रम की मेजबानी करण जौहर और सोफी चौधरी ने की। कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लोगों के मुताबिक अभिनेता रणवीर सिंह ने अपनी प्रस्तुति से भीड़ में जोश भर दिया। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप जूनियर और उनकी गर्लफ्रेंड को भी डांस फ्लोर पर आने का आग्रह किया। अभिनेत्री कृति सैनन ने अपने हिट गाने 'परम सुंदरी' पर प्रस्तुति दी, जबकि जैकलीन फर्नांडीज ने 'लाल छड़ी' पर डांस किया।

इस विवाह कार्यक्रम के प्रबंधन से जुड़ी फर्म के मुताबिक वरुण धवन और शाहिद कपूर ने भी प्रस्तुति दी। शनिवार को अभिनेत्री दीया मिर्जा ने मेहंदी की रस्मों की अगुवाई की जबकि नोरा फतेही ने अपनी प्रस्तुति से सबका दिल जीत लिया। डोनाल्ड ट्रंप जूनियर भी इस समारोह में शामिल हुए। नेत्रा मंटेना की शादी भारतीय मूल के वामसी गडिराजू से हो रही है। विवाह समारोह के कार्यक्रम 21 नवंबर से 24 नवंबर तक चलेंगे।

जानकारी के अनुसार समारोह में संगीत की दुनिया में जाना पहचाना नाम जेनिफर लोपेज और दक्षिण अफ्रीका के डीजे-प्रोड्यूसर ब्लैक कॉफी भी अपने कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। 'डच डीजे-प्रोड्यूसर टिएस्टो' ने बृहस्पतिवार रात 'द लीला पैलेस' में प्रस्तुति दी। पारंपरिक राजस्थानी नृत्य समूह और मांगणियार कलाकारों ने भी प्रस्तुति दी। शादी के विभिन्न कार्यक्रम उदयपुर सिटी पैलेस के माणक चौक तथा जनाना महल के साथ-साथ जगमंदिर और द लीला पैलेस होटल में होने हैं। इस शादी के लिए 'द लीला पैलेस' होटल को मेहमानों के स्वागत के लिए शानदार लाल 'थीम' पर सजाया गया है। मेहराबों से पुष्प गुच्छ लटके हुए हैं और इसे शाही दरबार जैसा रूप देने के लिए बड़े-बड़े झूमर लगाए गए हैं। बैठने की जगह पर खूबसूरत 'कुशन' और सुनहरे लैंप वाले लाल सोफे हैं। दूसरी जगहों को भी शानदार ढंग से सजाया जा रहा है। विवाह समारोह में कई बड़ी हस्तियों के शामिल होने के मद्देनजर शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

'मेरे साथ मंत्री और पुलिस, मुंह खोला तो मारकर जंगल में दबा दूंगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागौर। नागौर जिले के डेगाना क्षेत्र में स्थित एक आश्रम के कथित बाबा पर चूरू की 40 वर्षीय महिला ने दुष्कर्म के प्रयास, नशीला पदार्थ सुंघाकर छेड़छाड़ और जान से मारने की धमकी देने का सनसनीखेज आरोप लगाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापामारी की तैयारी की जा रही है। महिला ने पुलिस को दी लिखित शिकायत में बताया कि 22 अक्तूबर को उसकी मां के मोबाइल पर कथित बाबा का फोन आया था। बाबा ने कहा कि आश्रम में एक बड़ा धार्मिक अनुष्ठान होने वाला है और मां का आना आवश्यक है। मां के बीमार होने की बात कहने पर बाबा ने महिला का नंबर लिया और स्वयं बार-बार फोन करने लगा। उसने महिला को लालच दिया कि आश्रम आने से उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाएंगी और वह धन-दौलत से मालामाल हो जाएगी। बार-बार फोन और लालच से परेशान होकर महिला 24 अक्तूबर को डेगाना रेलवे स्टेशन पहुंची, जहां बाबा खुद अपनी गाड़ी लेकर आया और उसे आश्रम ले गया।

आश्रम पहुंचने के बाद दिन भर सामान्य बातचीत हुई, लेकिन रात साढ़े बारह बजे के करीब बाबा महिला के कमरे में पहुंचा। उसने कहा कि वह एक खास ताबीज बना रहा है जिससे महिला रातोंरात अमीर बन जाएगी, मगर इसके लिए एक विशेष कागज सूंघना होगा। जैसे ही महिला ने कागज सूंघा, उसे तेज चक्कर आने लगे, हाथ-पैर सुन्न हो गए और शरीर पर काबू नहीं रहा। बेहोशी की हालत में बाबा ने उसके साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी और कपड़े उतारकर जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश की। विरोध करने पर बाबा आगबबूला हो गया। पीड़िता के अनुसार, बाबा ने धमकाते हुए कहा कि उसके पास बड़े-बड़े नेता, मंत्री और पुलिस अधिकारी चेले हैं। अगर महिला ने मुंह खोला तो कोई उसे बचा नहीं पाएगा। बाबा ने धमकी दी कि वह उसे जान से मारकर जंगल में दबा देगा और उसकी लाश भी कोई नहीं ढूंढ पाएगा।

साथ ही लालच दिया कि यदि महिला उसकी बात मान लेती है तो उसे लाखों रुपये और सोने-चांदी से लाद देगा। डरी-सहमी महिला पूरी रात आश्रम में ही रही और अगले दिन किसी तरह चूरू लौट आई।

घर लौटकर महिला ने परिजनों को पूरी घटना बताई। 28 अक्तूबर को वह चूरू कोतवाली थाने पहुंची और लिखित शिकायत दी। चूरू पुलिस ने तुरंत जीरो एफआईआर दर्ज की और मामला ऑनलाइन डेगाना थाने ट्रांसफर कर दिया। डेगाना पुलिस ने बीएनएस 2023 की धारा 376(2)(प), 506, 328, 511 आदि के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी हरीश कुमार सांखला जांच कर रहे हैं और जल्द ही आश्रम पर छापा मारकर आरोपी बाबा को हिरासत में लेने की तैयारी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह आश्रम कई वर्षों से चल रहा है और दूर-दराज से लोग तंत्र-मंत्र व झाड़-फूंक के लिए यहां आते हैं। कई लोग बाबा को चमत्कारी मानते थे, लेकिन इस घटना के बाद क्षेत्र में भारी आक्रोश है और बाबा के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की जा रही है। महिला एवं बाल विकास विभाग ने भी मामले का संज्ञान लिया है और पीड़िता को कानूनी तथा मनोवैज्ञानिक सहायता देने की बात कही है।

मुख्यमंत्री ने अपने निवास पर बच्चों को पोलियो प्रतिरक्षक दवा पिलाकर अभियान की शुरुआत की

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने आधिकारिक निवास पर रविवार को बच्चों को पोलियो प्रतिरक्षक दवा पिलाकर राज्य स्तरीय उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत की। उन्होंने इस अभियान के लिए जनसहभागिता का आह्वान करते हुए कहा कि सभी अभिभावक अपने पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो प्रतिरक्षक दवा अवश्य पिलाएं। शर्मा ने कहा कि यह एक अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य देने का माध्यम है।

भाजपा की बैठक में भजनलाल शर्मा ने किया सीधा संवाद

जयपुर। मुख्यमंत्री निवास पर भाजपा की महत्वपूर्ण बैठक में अजमेर एवं बीकानेर संभाग के जिला अध्यक्षों, मंडल अध्यक्षों तथा विभिन्न पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद करते हुए संगठन की मजबूती, सरकार के दो वर्ष के कामकाज तथा आगामी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, राज्य वित्त आयोग अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, सांसद सी.पी. जोशी, राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी सहित अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने मात्र दो वर्षों में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की तुलना में कई गुना अधिक कार्य किए हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इन उपलब्धियों को विस्तृत रूप से जनता तक पहुंचाएं।

गीता उलझन में फंसे विश्व के लिए समाधान प्रस्तुत करती है : संघ प्रमुख मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉक्टर मोहन राव भागवत ने रविवार को कहा कि नैतिक भ्रम, संघर्ष और शांति की कमी से जूझ रहे विश्व के लिए भगवद् गीता कालातीत मार्गदर्शन प्रदान करती है।

यहां जनेश्वर मिश्र पार्क में रविवार को आयोजित ''दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव'' को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य केवल औपचारिकता मात्र नहीं है, बल्कि लोगों को गीता के अनुसार जीवन जीने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा, हम यहां इसलिए हैं क्योंकि गीता को केवल सुनाना नहीं, बल्कि उसे जीना है। इसके 700 श्लोकों को पढ़ना, मनन करना और अपने दैनिक जीवन में उतारना जरूरी है। कुरुक्षेत्र के युद्धक्षेत्र में अर्जुन की दुविधा और वर्तमान वैश्विक स्थिति के बीच समानताएं दर्शाते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख ने कहा कि भौतिक प्रगति के बावजूद आज विश्व भटक गया है, थक गया है और दिशाहीन है। उन्होंने कहा, यहां धन और आराम तो है, लेकिन शांति नहीं है, संतोष नहीं है, नैतिक स्पष्टता नहीं है। भागवत ने कहा कि भारत के प्राचीन ज्ञान ने हजारों वर्षों तक विश्व का मार्गदर्शन किया है और गीता उस ज्ञान का सार है। उन्होंने कहा, जिस प्रकार कृष्ण ने अर्जुन का भ्रम दूर किया, उसी प्रकार गीता आज मानवता को उसकी चुनौतियों का सामना करने में मदद कर सकती है। भागवत ने कहा कि गीता हमें

समस्याओं से भागने के बजाय उनका सामना करते हुए साहसी बनने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा, कृष्ण अर्जुन से कहते हैं – 'भागो मत। दृढ़ रहो, समस्या का सामना करो और अहंकार या भय के बिना कार्य करो'। संघ प्रमुख ने कहा कि सच्ची ताकत निस्वार्थ भाव से अपना कर्तव्य निभाने में निहित है। उन्होंने कहा, स्वार्थपूर्ण इरादे से किए गए महान कार्य कोई लाभ नहीं पहुंचाते। दूसरों के कल्याण के लिए किए गए छोटे-छोटे कार्य भी अपार मूल्य रखते हैं। भागवत ने यह भी कहा कि भारत की सभ्यतागत पहचान हजारों वर्षों से गौरव और प्रतिकूलता दोनों को झेलती रही है। उन्होंने कहा, भारत कभी विश्वगुरु था। इसने सदियों तक आक्रमणों को सहन किया और अब भी कायम है। फिर से उठ खड़े होने के लिए, हमें अपने सार को समझना होगा।

आरएसएस प्रमुख ने लोगों से गीता का अध्ययन करने, उसका अर्थ समझने और धीरे-धीरे उसकी शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारने का आग्रह किया। अगर हम गीता को अपनाएंगे, तो हमारा जीवन बदलेगा, समाज बदलेगा और भारत पुनः विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर होगा। भागवत ने गीता के ज्ञान को सरल और व्यावहारिक व्याख्याओं के माध्यम से सुलभ बनाने की पहल की सराहना की।

बीएलओ 'आत्महत्या' मामले में मुख्यमंत्री के दावों की जांच की जानी चाहिए : राज्यपाल बोस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में जारी 'एसआईआर' के दौरान बीएलओ द्वारा कथित रूप से आत्महत्या किए जाने के मामले को लेकर उपजे विवाद और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से इस प्रक्रिया पर सवाल उठाए जाने के बाद राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने रविवार को कहा कि जल्दबाजी में प्रतिक्रिया देने से बचना चाहिए और मुख्यमंत्री की चिंताओं की विस्तृत रूप से समीक्षा की जानी चाहिए। बनर्जी ने शनिवार को एक बीएलओ का सुसाइड नोट सोशल मीडिया पर साझा किया और दावा किया था कि मृतक ने इसके लिए निर्वाचन आयोग को जिम्मेदार ठहराया है।

राजभवन में पत्रकारों से बातचीत में बोस ने कहा, ऐसी परिस्थितियों में जल्दबाजी में प्रतिक्रिया देने से बचना बेहतर है। मुख्यमंत्री ने जो बात उठाई है, उसकी विस्तार से जांच करनी होगी। राज्यपाल ने कहा कि निर्वाचन आयोग का संतुलित दृष्टिकोण है, और इन सभी मुद्दों की सही तरह से जांच करके उपयुक्त समाधान निकाले जा सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बेहद सावधानीपूर्वक स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित किया जाना चाहिए। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया कि चार नवंबर से जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान बीएलओ समेत 30 से अधिक लोग मारे गए हैं। पार्टी ने निर्वाचन आयोग से इन मौतों की जिम्मेदारी लेने की मांग की है।

बनर्जी ने शनिवार को पोस्ट में कहा, एक और बीएलओ, एक महिला पैरा-शिक्षक की मौत की खबर सुनकर गहरा सदमा लगा है, जिसने आज कृष्णानगर में आत्महत्या कर ली।

एसआईआर का जल्दबाजी में क्रियान्वयन नोटबंदी, कोविड लॉकडाउन की याद दिलाता है: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने विभिन्न राज्यों में बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) की मौत को लेकर रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। पार्टी ने आरोप लगाया कि काम का अत्यधिक बोझ बीएलओ और मतदान अधिकारियों को आत्महत्या करने के लिए मजबूर कर रहा है। कांग्रेस ने दावा किया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का ''जल्दबाजी'' में किया गया क्रियान्वयन नोटबंदी और कोविड-19 लॉकडाउन की याद दिलाता है।

पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि भाजपा की 'वोट चोरी' अब जानलेवा रूप ले चुकी है। उन्होंने 'एक्स' पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की, जिसमें दावा किया गया है कि मतदाता सूची के एसआईआर के दौरान 19 दिन में 16 बीएलओ की मौत हो चुकी है। खरगे ने आरोप लगाया कि काम का अत्यधिक बोझ बीएलओ और मतदान अधिकारियों को आत्महत्या करने के लिए मजबूर कर रहा है। उन्होंने लिखा, ''मेरी संवेदनाएं हर उस परिवार के साथ हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। जमीनी हकीकत की बात करें तो मृतकों की वास्तविक संख्या बताई गई संख्या से कहीं ज्यादा है, जो बेहद चिंताजनक है। इन परिवारों को न्याय कौन दिलाएगा?'' खरगे ने आरोप लगाया, ''भाजपा चोरी से हासिल सत्ता की मलाई खाने में व्यस्त है और निर्वाचन आयोग मूकदर्शक बनकर तमाशा देख रहा है।'' उन्होंने दावा किया, ''एसआईआर का जल्दबाजी में, अनियोजित तरीके से जबरन क्रियान्वयन नोटबंदी और कोविड-19 लॉकडाउन की याद दिलाता है।''

बदायूं में 'आसमान से गिरा' बर्फ का बड़ा टुकड़ा, बाल-बाल बचे मजदूर

बदायूं (उप्र)/भाषा। बदायूं जिले के बिल्सी थाना क्षेत्र के एक गांव में ईंट भट्टे पर आसमान से बर्फ का एक बड़ा टुकड़ा गिरा, जिससे वहां काम कर रहे मजदूर बाल बाल बच गए।

बिल्सी के उप जिलाधिकारी (एसडीएम) प्रेमपाल सिंह ने कहा कि घटनास्थल का निरीक्षण करने के लिए पुलिस की एक टीम मौके पर भेजी गई थी। उन्होंने कहा, हमें जानकारी मिली कि दीननगर शेखपुर गांव में ईंट भट्टे पर बर्फ का एक बड़ा टुकड़ा गिरा है। एसडीएम ने कहा, ''किसी के घायल होने की खबर नहीं है और बर्फ के स्रोत का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, यह घटना रविवार सुबह करीब 9:30 बजे हुई, जिसमें वहां काम कर रहे मजदूर बाल-बाल बच गए। चश्मदीद सोमेंद्र यादव ने बताया कि बर्फ का टुकड़ा एक बड़े पत्थर जितना बड़ा लग रहा था जो गिरते ही बिखर गया। उन्होंने कहा, मज़दूर और उनके परिवार वाले पास में ही मौजूद थे। शुक्र है, किसी को चोट नहीं आई।

एक और मज़दूर, वीर सिंह ने कहा कि वह ईंटें जमा कर रहे थे, तभी अचानक बर्फ का टुकड़ा नीचे गिरा। सिंह ने कहा, इसका वजन लगभग 50 किलोग्राम रहा होगा। अगर यह थोड़ा और पास गिरता, तो किसी को गंभीर चोट लग सकती थी।

अगला नंबर 'ममता दीदी' और फिर सपा बहादुर अखिलेश यादव का है: केशव प्रसाद मौर्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव द्वारा भाजपा सरकार और निर्वाचन आयोग पर साजिश रचने का आरोप लगाने के बाद रविवार को संकेत दिया कि अगले चुनावों में पश्चिम बंगाल और फिर उत्तर प्रदेश में महागठबंधन को पराजय का सामना करना पड़ेगा।

उप मुख्यमंत्री मौर्य ने अपने आधिकारिक 'एक्स' खाते पर एक पोस्ट में कहा, बिहार चुनाव के दरम्यान खुद गोता लगाने के साथ श्री राहुल गांधी ने श्री तेजस्वी यादव को लपेटे में लेकर महागठबंधन का भविष्य भी लिख दिया। बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा के सह प्रभारी रहे मौर्य ने पोस्ट में लिखा, अगला नंबर ममता दीदी जी (प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी) और फिर सपा बहादुर श्री अखिलेश यादव का है। बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने दो तिहाई बहुमत से जीत हासिल की और इंडिया गठबंधन के दलों को बहुत पीछे धकेल दिया। गौरतलब है कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि भाजपा सरकार और निर्वाचन आयोग मिलकर साजिश के तहत उन विधानसभा क्षेत्रों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बहाने 50 हजार से अधिक वोट काटने की तैयारी कर रहे हैं, जहां 2024 में लोकसभा चुनाव में सपा और 'इंडिया' गठबंधन ने जीत हासिल की थी।

कोलकाता के पास फुटपाथ पर फेंके मिले आधार कार्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल पुलिस ने रविवार को कोलकाता के पास साल्ट लेक इलाके में फुटपाथ पर फेंके गए कई आधार कार्ड मिले हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सुबह की सैर पर निकले लोगों ने देखा कि मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों के पते वाले आधार कार्ड, सैटेलाइट सिटी के डी.ए. और सी.ए. ब्लॉक के बीच एक मैदान के पास फुटपाथ पर पड़े हुए थे। उन्होंने बताया कि कार्ड मिलने की सूचना बिधाननगर उत्तर थाने को दी गई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, हमें फुटपाथ पर पांच-छह आधार कार्ड मिले हैं और हमने इस बात की जांच शुरू कर दी है कि ये कार्ड वहां क्यों फेंके गए थे।

बंगाल : एसआईआर शुरू होने के बाद हाकिमपुर सीमा पर वापस जा रहे 'अवैध बांग्लादेशियों' की संख्या बढ़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हाकिमपुर/भाषा। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में हाकिमपुर बीएसएफ सीमा चौकी के पास पक्की सड़क से निकलने वाला संकरा, धूल व कीचड़ भरा रास्ता वर्षों तक राज्य में रहने वाले गैरकानूनी बांग्लादेशियों के लिए वापस जाने का मार्ग बन गया है।

विशाल बरगद के पेड़ के नीचे कपड़े के छोटे-छोटे बैग लिए कई परिवार, प्लास्टिक की बोतलें पकड़े बच्चे और पुरुष शनिवार को एक कतार में खड़े थे। वे बीएसएफ कर्मियों से बार-बार एक ही गुहार लगा रहे थे: हमें घर जाने दो। दक्षिण बंगाल सीमा क्षेत्र में सुरक्षा कर्मियों और स्थानीय निवासियों का कहना है कि नवंबर की शुरुआत से अपने देश लौटने की कोशिश कर रहे बिना दस्तावेज वाले बांग्लादेशी नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ी है।

यह आवाजाही एक असामान्य 'रिवर्स माइग्रेशन' यानी प्रतिलोमी प्रवास का रूप ले चुकी है, जिसे अधिकारी और स्वयं ये लोग पश्चिम बंगाल में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जोड़कर देख रहे हैं। खुद को खुलना जिले की निवासी बताने वाली शाहिन बीबी कोलकाता के पास न्यू टाउन में घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थी, वह अपने छोटे बच्चे के साथ सड़क किनारे इंतजार कर रही थी। महिला ने कहा, मैं यहां इसलिए आई थी क्योंकि हम गरीब थे। मेरे पास कोई सही दस्तावेज नहीं है। अब, मैं खुलना लौटना चाहती हूं। इसलिए यहां आई हूं।

महिला ने कहा कि वह लगभग 20,000 रुपए महीना कमाती थी, दो महिलाओं के साथ एक कमरे में रहती थी और नियमित रूप से पैसे घर भेजती थी। कतार में खड़े कई लोग स्वीकार करते हैं कि पश्चिम बंगाल में रहने के दौरान उन्होंने दलालों और बिचौलियों के जरिए आधार कार्ड, राशन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र बनवाए।

सांप्रदायिकता को दूर रखें, तो नीतीश का साथ देगी एआईएमआईएम : ओवैसी

पटना/भाषा। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने वादा किया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अगर मुस्लिम बहुल सीमांचल क्षेत्र के साथ न्याय करें और सांप्रदायिकता को दूर रखें, तो उनकी पार्टी बिहार में राजग सरकार को पूर्ण सहयोग देगी। हैदराबाद के सांसद ने सीमांचल के अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान यह टिप्पणी की। सीमांचल बिहार का पूर्वोत्तर क्षेत्र है, जहां से ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के पांच उम्मीदवारों ने हाल के विधानसभा चुनावों में जीत हासिल की है।

ओवैसी ने कहा, हम पटना में बनी नई सरकार को शुभकामनाएं देते हैं। हम पूरा सहयोग देने का वादा भी कर सकते हैं, बशर्ते वह सीमांचल क्षेत्र के साथ न्याय करे और सांप्रदायिकता को भी दूर रखे। सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में सबसे बड़ी साझेदार भाजपा आरोप लगाती रही है कि सीमांचल में बड़े पैमाने पर घुसपैठ हो रही है, जिससे क्षेत्र में जनसांख्यिकीय असंतुलन पैदा हो रहा है। ओवैसी ने कहा, एआईएमआईएम सिर्फ मुसलमानों के लिए ही नहीं, बल्कि सीमांचल में रहने वाले सभी लोगों के लिए लड़ती रही है, जहां दलितों और आदिवासियों की भी अच्छी आबादी है। हम उम्मीद करते हैं कि नई सरकार इस उपेक्षित क्षेत्र पर ध्यान देगी और पटना और राजगीर तक ही सीमित नहीं रहेगी।

निवर्तमान सीजेआई ने कॉलेजियम प्रणाली का बचाव किया, एससी कोटा से क्रीमी लेयर को बाहर रखने का समर्थन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी. आर. गवई ने न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम प्रणाली का रविवार को पुरजोर बचाव किया, अनुसूचित जाति (एससी) कोटा से संपन्न लोगों को बाहर रखने का समर्थन किया और शीर्ष अदालत में अपने कार्यकाल के दौरान किसी भी महिला न्यायाधीश की नियुक्ति नहीं करने पर खेद व्यक्त किया।

अपने आधिकारिक आवास पर पत्रकारों के साथ अनौपचारिक बातचीत में 52वें प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि वह संस्था को ''पूर्ण संतुष्टि और संतोष की भावना के साथ'' छोड़ रहे हैं तथा सेवानिवृत्ति के बाद कोई भी कार्यभार स्वीकार नहीं करने का अपना संकल्प दोहराया।

वह पहले बौद्ध सीजेआई होने के अलावा के. जी. बालकृष्णन के बाद भारतीय न्यायपालिका का नेतृत्व करने वाले दूसरे दलित हैं।

निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''मैंने पदभार ग्रहण करते समय ही स्पष्ट कर दिया था कि मैं सेवानिवृत्ति के बाद कोई भी आधिकारिक कार्यभार स्वीकार नहीं करूंगा। अगले 9 से 10 दिन 'कूलिंग ऑफ' अवधि है। उसके बाद एक नई पारी।''

अपने कार्यकाल के अंतिम दिन न्यायमूर्ति गवई ने लगभग सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात की, जिनमें जूता फेंके जाने की घटना, लंबित मामले, राष्ट्रपति के राय मांगे जाने पर उनके फैसले की आलोचना, अनुसूचित जातियों में क्रीमी लेयर को आरक्षण के लाभ से बाहर रखने पर उनके विवादास्पद विचार तथा उच्च न्यायपालिका में महिलाओं का कम प्रतिनिधित्व शामिल थे।

अनुसूचित जातियों के संपन्न लोगों को आरक्षण के लाभों से वंचित करने के लिए क्रीमी लेयर की अवधारणा लागू करने पर अपने विचारों का पुरज़ोर बचाव करते हुए उन्होंने कहा, ''अगर ये लाभ बार-बार एक ही परिवार को मिलते रहेंगे, तो वर्ग के भीतर वर्ग उभर आएगा। आरक्षण उन लोगों तक पहुंचना चाहिए जिन्हें इसकी सचमुच ज़रूरत है।'' उन्होंने सवाल किया, ''अगर किसी मुख्य सचिव के बेटे या गांव में काम करने वाले भूमिहीन मज़दूर के बच्चे को... किसी आईएएस या आईपीएस अधिकारी के बेटे से प्रतिस्पर्धा करनी पड़े... तो क्या यह समान स्तर पर होगा?''

न्यायमूर्ति गवई ने आगाह किया कि इस तरह के कदम उठाये बिना, आरक्षण का लाभ पीढ़ी दर पीढ़ी कुछ परिवारों द्वारा हथिया लिया जाता है, जिससे ''वर्ग के भीतर वर्ग'' का निर्माण होता है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मुद्दे पर अंतिम निर्णय ''सरकार और संसद को लेना है।'' कॉलेजियम प्रणाली का पुरजोर बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि यह ''न्यायपालिका की स्वतंत्रता बनाए रखने'' में मदद करती है।

यह स्वीकार करते हुए कि कोई भी व्यवस्था पूर्णतः परिपूर्ण नहीं होती, उन्होंने कहा कि यह न्यायाधीशों के ''चयन के लिए बेहतर है'' क्योंकि वकील ''प्रधानमंत्री या कानून मंत्री के सामने आकर बहस नहीं करते।'' उन्होंने कहा, ''इस बात की आलोचना होती है कि न्यायाधीश स्वयं नियुक्ति करते हैं। लेकिन इससे स्वतंत्रता सुनिश्चित होती है। हम खुफिया ब्यूरो की जानकारी और सरकार के विचारों पर भी राय जाहिर करते हैं, लेकिन अंतिम निर्णय कॉलेजियम का होता है।''

विधेयकों पर राज्यपालों के निर्णयों से जुड़ी समय-सीमा के मुद्दे पर न्यायमूर्ति गवई ने कहा, ''संविधान न्यायालय को ऐसी समय-सीमा की व्याख्या करने की अनुमति नहीं देता जहां कोई समय-सीमा मौजूद ही न हो। लेकिन हमने कहा है कि राज्यपाल अनिश्चित काल तक विधेयक को रोक कर नहीं रख सकते। अत्यधिक विलंब होने पर न्यायिक समीक्षा का विकल्प उपलब्ध है।'' उन्होंने ''शक्तियों के पृथक्करण'' का हवाला दिया और कहा कि जबकि राज्यपाल ''अंतहीन समय तक विधेयक को रोक कर नहीं रख सकते'' और सीमित न्यायिक समीक्षा उपलब्ध है, न्यायपालिका संविधान में कुछ ऐसी व्याख्या नहीं कर सकती जो संविधान में नहीं है।

राजनीतिक कार्यकर्ता रामकृष्ण एस. गवई के पुत्र, न्यायमूर्ति गवई ने सामाजिक कार्य शुरू करने के बारे में कहा कि यह ''उनके खून में'' है और वह अपने गृह जिले अमरावती में आदिवासी कल्याण के लिए काम करते हुए समय बिताना चाहते हैं। लंबित मामलों को एक ''बड़ी समस्या'' बताते हुए, उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में शीर्ष अदालत ने मामलों को श्रेणीबद्ध किये जाने और वर्गीकरण के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग शुरू किया और इससे निपटना ''सर्वोच्च प्राथमिकता'' होनी चाहिए।

निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश ने अपने कार्यकाल के दौरान शीर्ष न्यायालय में महिला न्यायाधीश की नियुक्ति न कर पाने पर खेद व्यक्त किया, लेकिन स्पष्ट किया कि ऐसा प्रतिबद्धता की कमी के कारण नहीं हुआ।

उन्होंने कहा, ''कॉलेजियम के फैसलों में कम से कम चार न्यायाधीशों की सहमति जरूरी है। आम सहमति जरूरी है। ऐसा कोई नाम नहीं आया जिसे कॉलेजियम सर्वसम्मति से मंज़ूरी दे सके।''

कोलकाता की पिच अलग थी लेकिन यह 'सड़क' की तरह है: कुलदीप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। वामहस्त स्पिनर कुलदीप यादव ने दक्षिण अफ्रीका के निचले क्रम को जल्दी आउट करने में नाकाम रहे भारतीय गेंदबाजों का बचाव करते हुए रविवार को बरसापारा स्टेडियम की पिच की तुलना 'सड़क' से की।

दक्षिण अफ्रीका के निचले क्रम के बल्लेबाज पहली पारी में टीम के स्कोर को 489 रन तक पहुंचाने में सफल रहे। कोलकाता में खेले गए शृंखला के पहले टेस्ट में बल्लेबाजों को संघर्ष करना पड़ा था लेकिन यहां स्पिनरों को पिच से खास मदद नहीं मिल रही थी। कुलदीप से जब दोनों स्थलों के पिच की तुलना से जुड़ा सवाल पूछा गया तो उन्होंने व्यंग्य भरे लहजे में कहा, '' कोलकाता का विकेट तो अलग था। यह तो 'सड़क (पूरी तरह से सपाट)' की तरह है। इसलिए यह चुनौतीपूर्ण है और इसीलिए इसे टेस्ट मैच कहा जाता है।''

कुलदीप भारत की ओर से पहली पारी में सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 29.1 ओवर में 115 रन देकर चार विकेट लिए। यह देखना दिलचस्प होगा कि बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया इस बयान को कैसे लेते हैं क्योंकि यह उनके घरेलू मैदान पर आयोजित होने वाला पहला टेस्ट

मैच है और एक सीनियर खिलाड़ी ने पिच का आकलन बहुत अच्छा नहीं किया है। कुलदीप ने कहा कि प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने के लिए जुझारूपन दिखाना जरूरी है। उन्होंने कहा, ''यह हमेशा दबदबे की बात नहीं होती, बल्कि यह भी बहुत महत्वपूर्ण है कि आप एक अच्छी बल्लेबाजी पिच पर कैसे वापसी करते हैं। यह गेंदबाजों के लिए एक मुश्किल विकेट था क्योंकि मुझे नहीं लगा कि इस विकेट से बहुत मदद मिल रही है।''

कुलदीप ने कहा कि खिलाड़ियों को पिच की प्रकृति के बारे में सोचकर खुद को तनाव में डालने की जगह इसका लुत्फ उठाना चाहिये। उन्होंने कहा, ''यह तेज गेंदबाजों के लिए भी ज्यादा मददगार नहीं लग रहा था, लेकिन यह टेस्ट क्रिकेट है और आपको इसका आनंद लेना चाहिए। आपको इसका आनंद लेना चाहिए। आप जैसे-जैसे परिपक्व होते जाते हैं, आप विकेट के बारे में ज्यादा सोचे बिना खेलते है। अगले टेस्ट में इससे बेहतर विकेट हो सकता है, इसलिए कोई शिकायत नहीं।'' मैच के शुरुआती सत्र में थोड़ी नमी थी लेकिन उसके बाद के पांच सत्र में स्पिन गेंदबाजों के लिए कोई मदद नहीं थी। उन्होंने कहा, '' मुझे कल पहले सत्र में लगा कि विकेट में थोड़ी नमी थी, इसलिए मुझे पहले सत्र में थोड़ा टर्न मिला। उसके बाद बल्लेबाजी करना अच्छा रहा।'' उन्होंने निराशा भरे अंदाज में कहा, ''कल और फिर आज स्पिन गेंदबाजों को किसी तरह की मदद नहीं मिली। आज का दिन बल्लेबाजों के लिए ज्यादा अच्छा था क्योंकि मुझे लगभग कोई टर्न नहीं मिला। मैं और जडेजा भी इस बारे में बात कर रहे थे।''

सुविचार

आप चाहे जो भी भौतिक काम करें - अगर आप उसे पूरी भागीदारी और आनंद के साथ करते हैं, तो आप एक कर्म-योगी हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

समय की मांग है नई उपहार परंपरा

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 'बुके नहीं, बुक दीजिए', का आह्वान कर विभिन्न अवसरों पर दिए जाने वाले उपहारों के संबंध में नई बहस छेड़ दी है। परंपराओं का उद्देश्य सामाजिक कल्याण होना चाहिए। भारत में तो लोग परंपराओं को लेकर कुछ ज्यादा ही समर्पित हैं। अगर समयानुसार इनके साथ कुछ सकारात्मक बिंदु और जोड़ दें तो इसका असर बहुत गहरा होगा। लोग मेल-मुलाकात और शुभ अवसरों पर उपहार में किताबें देनी शुरू कर दें तो इससे प्राप्तकर्ता को न सिर्फ बौद्धिक लाभ होगा, बल्कि वह उसका प्रसार कर सकेगा। उदाहरण के लिए, दो व्यक्ति किसी अवसर पर मिलते हैं। अगर उनमें से एक व्यक्ति दूसरे को 'स्वरोजगार' को बढ़ावा देने वाली कोई किताब भेंट करता है तो उससे भविष्य में दर्जनों लोग लाभान्वित हो सकते हैं। भारत ज्ञान की भूमि है। भारतवासियों को ऐसी परंपराओं को बढ़ावा देना चाहिए। अच्छी किताबें, शब्दकोश, पत्र-पत्रिकाएं आदि लोगों के जीवन को दिशा देते हैं। महापुरुषों, वैज्ञानिकों, सुधारकों, क्रांतिकारियों आदि की जीवनी पढ़ने से पता चलता है कि वे किसी-न-किसी किताब से प्रभावित थे। सोशल मीडिया, एआई को किताबों का विकल्प नहीं समझना चाहिए। प्राय: ब्याह-शादियों, जन्मदिन, सालगिरह जैसे अवसरों पर ऐसे उपहारों की भरमार होती है, जो जीवन में ज्यादा काम नहीं आते। कुछ उपहार तो ऐसे होते हैं, जो मात्र औपचारिकता निभाने के लिए दिए जाते हैं। वे उस व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता में कोई योगदान नहीं देते। अच्छी किताबें ऐसा उपहार हैं, जो कई पीढ़ियों को प्रेरणा देकर उनका जीवन संवार सकती हैं।

इनके अलावा भी कुछ ऐसी चीजें हैं, जिन्हें उपहारस्वरूप देना कल्याणकारी होता है। जैसे- सब्जियों के बीज। बीजों का छोटा-सा पैकेट उस व्यक्ति के लिए ही नहीं, उसके पूरे परिवार के लिए बहुत लाभदायक हो सकता है। मटर, पालक, मूली, गाजर, लौकी, भिंडी जैसी सब्जियों के अच्छे बीज उपहार में देने की परंपरा शुरू करनी चाहिए। ये बहुत आसानी से उगने वाली सब्जियां हैं, जो भरपूर पोषण देती हैं। केंद्र सरकार मोटे अनाज के उपभोग को बढ़ावा दे रही है। अगर लोग ज्वार, बाजरा से बने उत्पाद उपहार में दें तो करोड़ों किसानों का कल्याण सुनिश्चित किया जा सकता है। आज बाजार में मिलावटी चीजें बहुत बिक रही हैं, जो सेहत को नुकसान पहुंचाती हैं। अगर शुभ अवसरों पर शुद्ध शहद और परंपरागत तरीके से बना गुड़ भेंट करेंगे तो इनका स्वाद कई लोगों की सेहत बनाएगा। खेतों में अंधाधुंध रसायनों के इस्तेमाल ने अनाज और दलहन का स्वाद फीका कर दिया है। कई लोग यह बात खुलकर स्वीकार करते हैं कि अस्सी और नब्बे के दशक तक रोटी और दाल में जो स्वाद था, वह अब नहीं है। जब फसल पर हानिकारक रसायनों की बौछार होगी तो उपज में स्वाद कहां से आएगा? अब कुछ किसान पूरी तरह गोबर की खाद से खेती करने लगे हैं। वे कोई हानिकारक रसायन नहीं डालते। क्या उपहार में ऐसी खेती से उपजे अनाज और दलहन दिए जा सकते हैं? इसे एक परंपरा का रूप दे दिया जाए तो लोग फिर से उसी खेती की ओर आकर्षित होंगे, जो मनुष्य और धरती, दोनों के लिए लाभदायक थी। आज दुनियाभर में प्लास्टिक कचरा बढ़ता जा रहा है। इससे कई जगह तो गंभीर चुनौतियां पैदा हो गई हैं। यह मनुष्य और पशुओं के लिए खतरा बन गया है। इससे निपटने के लिए प्राकृतिक विकल्पों के बारे में सोचना होगा। जूट और कपड़े के थैले बहुत अच्छे विकल्प हो सकते हैं। ये हर घर में इस्तेमाल किए जा सकते हैं। अगर उपहार में ये थैले दिए जाएं तो इससे पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

ट्वीटर टॉक

अंगदान महादान है, इससे कई जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। जोधपुर के प्रजापति नगर की 16 वर्षीय ब्रेन डेड बालिका कनिष्का गौड़ ने मानवता की मिसाल पेश की है। उनके परिजनों ने उनकी किडनी तथा लीवर दान किए गए हैं।

-अशोक गहलोत

डबल इंजन सरकार ने पेपर लीक पर पूरी तरह से रोक लगाकर भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया है। आज प्रदेश के युवाओं को योग्यता के आधार पर उनका हक मिल रहा है, और तीव्र गति से नौकरियों के नए अवसर प्रदान किए जा रहे हैं।

-भजनलाल शर्मा

गढ़ी विधानसभा से विधायक श्री कैलाश चन्द्र मीणा जी के पुत्र अभिषेक मीणा के असमय निधन का अत्यंत दुखद समाचार प्राप्त हुआ। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में शक्ति और धैर्य दें।

-मदन राठौड़

प्रेरक प्रसंग

अनमोल समय का सदुपयोग

जब ईश्वरचंद्र विद्यासागर कलकत्ता के संस्कृत महाविद्यालय में अध्ययन कर रहे थे, तो अपने परिवार की आर्थिक स्थिति के कारण वे दीपक की रोशनी में पढ़ाई करते थे। एक रात जब वे पढ़ाई में मग्न थे, अचानक तेज हवा के झोंके से दीपक बुझ गया। रात काफी हो चुकी थी और चारों ओर अंधेरा था। विद्यासागर ने सोचा कि उन्हें फिर से दीपक जलाने के लिए तेल लेने बाजार जाना होगा। लेकिन इतनी रात में बाजार जाना संभव नहीं था। वे अपनी पढ़ाई अधूरी नहीं छोड़ना चाहते थे, क्योंकि उनका मानना था कि हर पल कीमती है और उसका सही इस्तेमाल किया जाना चाहिए। ऐसी स्थिति में विद्यासागर ने एक अद्भुत निर्णय लिया। उन्होंने अपनी असाधारण स्मरण शक्ति का उपयोग करते हुए, जो पृष्ठ वे पढ़ रहे थे, उसे अपने मन में दोहराना शुरू कर दिया। उन्होंने पूरी रात जागकर उस पाठ को याद किया, जिसे वे पढ़ना चाहते थे। अगली सुबह जब प्रकाश हुआ, उन्होंने सारी सामग्री को सही ढंग से याद कर लिया था।

सामयिक

गुरु तेगबहादुर शहीदी दिवस पर विशेष

गुरु श्री तेग बहादुर सिंह जी के इस अतुलनीय बलिदान का उल्लेख गुरु प्रताप सूरज ग्रंथ में मिलता है। यह सिख इतिहास का एक विस्तृत और सबसे मान्य ग्रंथ है। इस ग्रंथ की रचना भाई सनतोख सिंह ने 1843 ई. में किया। इसके अलावा इसका उल्लेख गुरु गोबिन्द सिंह जी द्वारा लिखे बचित्तर नाटक - दशम ग्रंथ में भी मिलता है। इसमें गुरु गोविंद सिंह जी ने स्वयं अपने पिता, गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान का उल्लेख किया है। दिल्ली के चांदनी चौक में जहाँ गुरु जी का शीश काटा गया था, वहीं आज उनकी स्मृति में गुरुद्वारा शीश गंज साहिब स्थित है। ये पवित्र स्थान समस्त मानव जाति के लिए पूजनीय है। ये सदैव मानव जाति को उस महान आत्मा, उस महान बलिदान की याद दिलाता रहेगा, जिस बलिदान ने सनातन धर्म को पुनर्जीवन दिया।

'शीश कटा, पर झुका नहीं - बलिदान से धर्म उत्थान'

कुलदीप ठुसू 'पम्पोश'

मोबाइल : 9811412301

गुरु श्री तेग बहादुर सिंह - ये केवल एक नाम नहीं, एक परिभाषा है बलिदान की, कर्तव्य पारायणता की, साहस की, धैर्य की, त्याग की और धर्मसंरक्षण की। गुरु श्री तेग बहादुर सिंह वह 'धर्मसूर्य' हैं, जिन्होंने मुग़ल कालीन अंधकार युग में जन्म तो लिया, परन्तु अपना परम बलिदान दे कर जाते जाते उस अंधकार में धर्म का सूर्य बनकर फिर से उदित हो गए। 350 वर्ष पूर्व, जो बलिदान गुरु श्री तेग बहादुर सिंह जी ने दिया, उसने समूचे भारत की तस्वीर और तक़दीर, दोनों बदल दी। जरा सोचिए यदि गुरु तेग बहादुर सिंह जी ने अपने प्राणों की आहुति न दी होती तो आज देश का परिदृश्य कैसा होता? यदि गुरु श्री तेग बहादुर सिंह जी न होते, तो कश्मीर की वैदिक-शैव परंपरा का अस्तित्व समाप्त हो गया होता। संस्कृत, शास्त्र, और सनातन संस्कृति कश्मीर से मिट चुकी होती, और आने वाली पीढ़ियाँ अपनी पहचान खो चुकी होती।

कश्मीर के साथ साथ, समस्त भारत भी अपनी पहचान खो चुका होता, आज भारत का कुछ और ही रूप होता। उन्होंने समूची मानवता के लिए अपना शीश न्योछावर कर दिया। आज भी जब हम स्वतंत्रता, सहिष्णुता और आस्था की बात करते हैं - तो उस नींव में गुरु श्री तेग बहादुर सिंह जी का रक्त, त्याग, बलिदान और दिव्यता धड़कती है। जब जब धर्म की हानि हुई है, तब तब ईश्वर ने किसी न किसी रूप में आकर, धर्म की रक्षा और पीड़ितों का उद्धार किया है। कभी बल से, कभी त्याग से, कभी ज्ञान से, कभी भक्ति से और कभी बलिदान से। भारत के इतिहास में असंख्य संत, ऋषि और महापुरुष हुए जिन्होंने सत्य, धर्म और मानवता की रक्षा के लिए समय समय पर अपना जीवन समर्पित किया। परंतु जो स्थान गुरु श्री तेग बहादुर जी को प्राप्त है, वह अनोखा है - उन्होंने सनातन धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी, अपना शीश कटवाया। अपने इस बलिदान के लिए उन्हें हिंद की चादर का नाम दिया गया। यानी वह चादर जिसने पूरे हिंदुस्तान को ढक कर उसकी अस्मिता को बचाया।

सत्रहवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में कश्मीर का दृश्य बड़ा भयावह था। औरंगज़ेब के आदेशों पर वहाँ के राज्यपाल इफ्तेखार खान ने कश्मीरी पंडितों पर जबरन धर्म परिवर्तन का अभियान शुरू कर दिया था। मंदिर तोड़े जा रहे थे, वेद, पुराणों, इतिहासों और अन्य धर्म ग्रंथों की प्रतियाँ जलायी जा रही थीं, और हिंदुओं को तलवार की नोक पर इस्लाम स्वीकार कराया जा रहा था। असंख्य लोगों की हत्या की गई। लाखों कश्मीरी पंडितों का जबरन धर्म भ्रष्ट कर इस्लाम अपनाने पर मजबूर किया गया। जो लोग बच गए, उन्होंने अपनी अस्मिता और धर्म की रक्षा के लिए, कश्मीर से पलायन का रास्ता अपना लिया। यह परिस्थिति, केवल एक धार्मिक संकट नहीं था, बल्कि सभ्यता और अस्तित्व का प्रश्न बन चुकी थी। निराशा और हताशा से कश्मीरी हिंदुओं का मन व्याकुल था। वे अपनी आंखों के सामने ही अपनी अस्मिता लुटते देख रहे थे। अपनी पहचान, अपनी संस्कृति, अपना धर्म, अपने संस्कार, सब अंधकार के गर्त में जरहे थे। सब नष्ट हो रहा था। ऐसे में उन्हें अब केवल एक अंतिम उम्मीद नज़र आई - गुरु श्री तेग बहादुर सिंह जी।

सत्य है - अंधकार से केवल गुरु ही बाहर निकाल सकता है। इसलिए मन में आशा की एक छोटी से किरण लेकर, आख़िरकार लगभग पाँच सौ कश्मीरी पंडितों का एक दल, धर्म की रक्षा के लिए मार्गदर्शन खोजता हुआ आनंदपुर साहिब पहुँचा - गुरु श्री तेग बहादुर जी के आश्रम में। पंडित कृपा राम दत्त के नेतृत्व में, कश्मीरी ब्राह्मणों ने गुरु श्री तेग बहादुर जी से धर्म की रक्षा की गुहार लगाई। उन्होंने गुरु जी के चरणों में गिरकर कहा - गुरुदेव, अब हमारा धर्म और हमारी लाज केवल आप के हाथों में है। हमारे धर्म की रक्षा कीजिए। यदि आप हमारी रक्षा नहीं करेंगे, तो सनातन की ज्योति बुझ जाएगी।

गुरु श्री तेग बहादुर जी ने उनकी आंसुओं से भरी आँखों की ओर देखा और कहा - यदि किसी एक के बलिदान से सबका धर्म बच सकता है, तो यह परम कर्तव्य होगा। उस समय उनके पुत्र, बालक गोविंद राय (भविष्य के गुरु गोविंद सिंह जी) वहाँ उपस्थित थे। गुरु जी ने उनसे पूछा - बेटा, बताओ अब ऐसा कौन है जो इस अत्याचार के विरुद्ध खड़ा हो सकता है? गोविंद राय ने निर्भीक स्वर में उत्तर दिया - पिताजी, आपसे बढ़कर और कौन? यही क्षण था जब गुरु श्री तेग बहादुर जी ने निश्चय कर लिया कि वे कश्मीरी पंडितों के धर्म और अधिकार की रक्षा हेतु स्वयं आगे बढ़ेंगे। गुरु जी ने आनंदपुर में अपने अनुयायियों को तैयार किया और अपने तीन निकटतम साथियों - भाई मतीदास जी, भाई सतीदास जी और भाई दयाला जी - के साथ दिल्ली की ओर प्रस्थान किया।

यह यात्रा किसी राजनीतिक प्रतिरोध के लिए नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और नैतिक संवाद के लिए थी। गुरु जी का उद्देश्य स्पष्ट था - सत्ता के सिंहासन को सत्य का दर्पण दिखाना। जब वे दिल्ली पहुँचे, तो उनकी चर्चा पूरे शहर में फैल गई। मुगल अधिकारियों को पता चला कि यह वही व्यक्ति हैं जिन्हें कश्मीरी पंडित अपने धर्म की ढाल कह रहे हैं। ऐसे में औरंगज़ेब ने सोचा, यदि यह व्यक्ति इस्लाम स्वीकार कर ले, तो देश के सारे हिंदुओं को इस्लाम की राह पे लाना आसान हो जाएगा। गुरु श्री तेग बहादुर जी को गिरफ्तार कर लिया गया और चांदनी चौक के पास कोतवाली में कैद कर दिया गया। उनसे बार-बार कहा गया - तुम इस्लाम स्वीकार कर लो, तुम्हें जीवन मिलेगा, सम्मान मिलेगा।

गुरु जी का उत्तर सदा एक ही रहा - 'धर्म तलवार से नहीं, आत्मबल से जीवित रहता है। यदि धर्म की रक्षा के लिए मुझे अपना शीश भी देना पड़े, तो यह मेरा सौभाग्य होगा।' गुरुजी के धैर्य को तोड़ने के लिए, उनके साथियों पर अमानवीय अत्याचार किए गए - भाई मतीदास जी को आरे से दो भागों में चीर दिया गया, भाई दयाला जी को उबलते पानी में डाल दिया गया, और भाई सतीदास जी को रुई में लपेटकर जला दिया गया। इन सबके बीच गुरु जी शांत रहे, अपने धर्म पर अडिग रहे, और ध्यानमग्न होकर ईश्वर से प्रार्थना करते रहे। अंततः 24 नवंबर 1675 को चांदनी चौक में खुले आम उनका शीश काट दिया गया। उन्हे शीश कटवाना स्वीकार था, परन्तु, शीश झुकाना स्वीकार न था। गुरु जी ने अपना शीश कटवाकर धर्म की रक्षा की।

ये केवल एक बलिदान नहीं, बल्कि एक बहुत बड़ी एतिहासिक घटना थी। गुरु तेग बहादुर जी ने जो किया, वह किसी भी संप्रदाय की सीमाओं से परे था। उन्होंने यह दिखाया कि धर्म केवल अपने लिए नहीं, दूसरों की रक्षा के लिए भी होता है। उनका बलिदान केवल कश्मीरी पंडितों के लिए नहीं था, बल्कि पूरे भारत के लिए एक चेतना का विस्फोट था। यह वह क्षण था जब पंजाब के साथ साथ समूचे उत्तर भारत में स्वाभिमान की ज्वाला भड़क उठी। उनके बलिदान के बाद औरंगज़ेब का जबरन धर्म परिवर्तन अभियान कुछ ठहर सा गया। औरंगज़ेब को ये डर सताने लगा कि अगर वो धर्म परिवर्तन का अभयान ऐसे ही जारी रखेगा तो कहीं लोग विद्रोह न कर दें। मजबूर होकर, औरंगज़ेब को 'जबरन धर्म परिवर्तन का अभियान' कुछ समय के लिए रोकना पढ़ा।

कश्मीर में भी तत्काल भय का वातावरण कुछ हद तक शांत हुआ। ये कश्मीर के अस्तित्व का पुनर्जन्म था। कश्मीर में सनातन के पुनर्जागरण की आशा जीवित थी। कश्मीरी पंडितों के लिए यह घटना केवल एक शहीदी नहीं थी - यह उनकी पहचान, उनकी संस्कृति, उनके धर्म के जीवित रहने की आशा थी। यह बलिदान से पुनर उत्थान की गाथा है। इसी बलिदान की प्रेरणा से गुरु गोविंद सिंह जी ने आगे चलकर खालसा पंथ की स्थापना की - एक ऐसा पंथ जो धर्म, न्याय और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए बना। यह बलिदान भारत की आत्मा को यह संदेश दे गया कि धर्म की रक्षा के लिए यदि प्राणों की आहुति भी देनी पढ़े, तो उसमें भी किंचित संकोच ना हो।

आज जब हम धार्मिक स्वतंत्रता, सहिष्णुता और मानवाधिकारों की बात करते हैं, तो हमें याद रखना चाहिए कि इन मूल्यों की जड़ें हमारे संतों और गुरुओं के बलिदान में हैं। गुरु श्री तेग बहादुर सिंह जी का बलिदान भारत के संविधान की आत्मा में समाया हुआ है - हर व्यक्ति को अपनी आस्था चुनने की स्वतंत्रता। उनका संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है -धर्म का अर्थ है दूसरों की आस्था का सम्मान करना। सच्चा बलिदान वह है जिसमें स्वयं का नहीं, दूसरों का हित छिपा हो। और राष्ट्र की एकता तभी संभव है जब हम एक-दूसरे के विश्वास की रक्षा करें।

गुरु श्री तेग बहादुर सिंह जी ने अपना शीश कटाया, परन्तु धर्म को झुकने नहीं दिया। उनके बलिदान ने कश्मीर को नया जीवन दिया, पंजाब को साहस दिया, और भारत को आत्मगौरव दिया। यही कारण है कि श्री गुरु तेग बहादुर सिंह जी सदा-सर्वदा हिंद की चादर कहलाए - वह चादर जिसने कश्मीर से कन्याकुमारी तक सनातन की लाज बचाई। कश्मीरी पंडित आज भी उन्हें, धर्म रक्षक, और संस्कृति के उद्धारक के रूप में पूजते हैं। आज भी जब कोई कश्मीरी पंडित 'हर हर महादेव' या 'ॐ नमः शिवाय' का जयघोष करता है, तो वह गुरुजी के उस बलिदान को ही नमन करता है जिसने आजतक उसकी आत्मा को जीवित रखा है।

गुरु श्री तेग बहादुर सिंह जी के इस अतुलनीय बलिदान का उल्लेख गुरु प्रताप सूरज ग्रंथ में मिलता है। यह सिख इतिहास का एक विस्तृत और सबसे मान्य ग्रंथ है। इस ग्रंथ की रचना भाई सनतोख सिंह ने 1843 ई. में किया। इसके अलावा इसका उल्लेख गुरु गोबिन्द सिंह जी द्वारा लिखे बचित्तर नाटक - दशम ग्रंथ में भी मिलता है। इसमें गुरु गोविंद सिंह जी ने स्वयं अपने पिता, गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान का उल्लेख किया है। दिल्ली के चांदनी चौक में जहाँ गुरु जी का शीश काटा गया था, वहीं आज उनकी स्मृति में गुरुद्वारा शीश गंज साहिब स्थित है। ये पवित्र स्थान समस्त मानव जाति के लिए पूजनीय है। ये सदैव मानव जाति को उस महान आत्मा, उस महान बलिदान की याद दिलाता रहेगा, जिस बलिदान ने सनातन धर्म को पुनर्जीवन दिया।

नजरिया

आतंक पर निर्णायक सख़्ती ज़रूरी

डॉ प्रियंका सौरभ

मोबाइल : 7015375570

भारत एक ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहाँ आतंकवाद का स्वरूप बदलकर और भी जटिल और खतरनाक हो चुका है। राजधानी दिल्ली से लेकर देश के विभिन्न शहरों में हाल की घटनाएँ केवल हिंसक वारदातें नहीं, बल्कि यह चेतावनी हैं कि हमारी सुरक्षा संरचनाओं में अभी भी जितनी मजबूती और तत्परता होनी चाहिए, वह नहीं है। हर विस्फोट केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि यह प्रश्न भी है कि एक उभरती वैश्विक शक्ति के रूप में भारत क्या अपनी आंतरिक सुरक्षा को उसी गंभीरता से देख रहा है, जैसी दुनिया के विकसित राष्ट्र देखते हैं? अमेरिका ने 9/11 की भयावहता के बाद आतंकवाद को एक ऐसे खतरे के रूप में लिया, जिसने उसके पूरे सुरक्षा तंत्र, कानून व्यवस्था और राजनीतिक दृष्टिकोण को बदलकर रख दिया। भारत को भी अब उसी स्तर की संवेदनशीलता और निर्णायकता की आवश्यकता है।

यह स्वीकार करना होगा कि आतंकवाद अब पुरानी सीमाओं से निकलकर नई तकनीकी दुनिया में प्रवेश कर चुका है। पहले जहाँ उसका संबंध बंदूक, प्रशिक्षण शिविर और सीमा पार से आने वाले गुरिल्ला नेटवर्क से होता था, वहीं अब उसका संचालन सोशल मीडिया, डार्क वेब, एन्क्रिप्टेड चैट, क्रिप्टो करेंसी और फर्जी पहचान के माध्यम से हो रहा है। आज एक अकेला व्यक्ति, जिसे लोन-वुल्फ' कहा जाता है, दुनिया में बैठे किसी भी संगठन से निर्देश पा सकता है और मिनटों में घटना को अंजाम दे सकता है। क्राउड-रैडिकलाइज़ेशन की प्रक्रिया इतनी तेज़ और गहरी हो चुकी है कि एक वीडियो, एक पोस्ट, या एक उग्र भाषण ही कई युवाओं को गलत दिशा में धकेल सकता है। ऐसी स्थिति में यह सोचना कि आतंकवाद को केवल सीमापार से आने वाला खतरा माना जाए, वास्तविकता से आँख मूँद लेने जैसा है। दिल्ली के नेहरू प्लेस जैसी घटनाओं ने फिर यह सामने ला दिया कि आतंक की तकनीक चाहे बदल जाए, पर हमारी कमियाँ वही पुरानी हैं। निगरानी कैमरों की संख्या सीमित है, उनकी गुणवत्ता अपर्याप्त है, और उनमे से भी कई खराब रहते हैं। कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में -ख-आधारित निगरानी की व्यवस्था अब तक लागू नहीं है। यह भी एक कटु सत्य है कि जाँच एजेंसियों की क्षमता के मुकाबले घटनाओं की जटिलता कई गुना बढ़ गई है। आधुनिक दुनिया में जहाँ एक छोटे से डिवाइस में असंख्य डिजिटल प्रमाण छिपे हो सकते हैं, वहाँ हमारी फॉरेंसिक लैब्स की संख्या और आधुनिकता अभी भी सीमित है। सवाल यह भी है कि हम कब तक इन पुरानी कमजोरियों के साथ एक बदलती हुई दुनिया का सामना करेंगे?

एक आधुनिक राजधानी में 24गुणा7 इंटेलिजेंट सर्विलांस सिस्टम होना चाहिए, जहाँ हर भीड़भाड़ वाला इलाका, हर बाजार, हर सार्वजनिक स्टेशन और हर संवेदनशील संस्थान -ख से जुड़े कैमरों की निगरानी में हो। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और इजरायल ने वर्षों पहले यह सुनिश्चित कर लिया कि आतंकियों के लिए कोई अंधेरा कोना न बचे। भारत को भी अब निगरानी को प्राथमिकता देनी चाहिए। कानून व्यवस्था की मजबूती केवल पुलिस की संख्या बढ़ाने से नहीं आएगी, बल्कि यह तकनीक, डेटा और तेजी से काम करने वाले नेटवर्क से आएगी। यह भी एक गंभीर पहलू है कि आतंकवाद से जुड़े मामलों में हमारी न्यायिक प्रक्रिया उतनी तेज़ नहीं है जितनी होनी चाहिए। वर्षों तक चलने वाली सुनवाई, गवाहों का मुकर जाना, कमजोर अभियोजन और डिजिटल साक्ष्यों की जटिलता-ये सब आतंकियों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाभ पहुँचाते हैं। जबकि अमेरिका ने 9/11 के बाद स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद से जुड़े मामलों में न देरी स्वीकार्य है, न ढिलाई। भारत को भी यह संदेश देना चाहिए कि आतंकवाद के मामलों में न्याय शीघ्र और दृढ़ होना चाहिए। यह केवल कानूनी आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की अनिवार्यता है।

आतंकवाद को रोकने में नागरिक चेतना की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी एजेंसियों की। एक साधारण नागरिक की एक छोटी-सी सूचना कई बड़े हमलों को रोक सकती है। लेकिन अक्सर लोग पुलिस से संपर्क करने में संकोच करते हैं, उन्हें प्रक्रिया लंबी और जटिल लगती है, या वे यह सोचते हैं कि यह मेरा काम नहीं। यह मानसिकता बदलनी होगी। सरकार को ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए जहाँ नागरिक आसानी से सूचना दे सकें, और तत्काल प्रतिक्रिया तंत्र मौजूद हो। मोहल्ला-स्तर तक चौकसी को मजबूत किया जाना चाहिए। नागरिक जब जागरूक होते हैं, तब आतंक के लिए जगह अपने आप कम होती जाती है। दुर्भाग्य यह है कि भारत में सुरक्षा नीति अक्सर राजनीतिक बहसों में उलझ जाती है। किसी घटना को विपक्ष सत्ताधारी दल की विफलता बताता है, और सत्ता दल उसे सिर्फ 'आतंकी षड्यंत्र' कहकर जिम्मेदारियों से बचने की कोशिश करता है। लेकिन आतंकवाद का कोई राजनीतिक रंग नहीं होता। वह न किसी विचारधारा का मित्र है, न शत्रु; वह सिर्फ राष्ट्र और उसके नागरिकों को नुकसान पहुँचाता है। इसलिए यह अनिवार्य है कि राष्ट्रीय सुरक्षा को राजनीति से ऊपर रखा जाए। अमेरिका में राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर दोनों दल एकजुट रहते हैं; भारत में भी यह संस्कृति विकसित होनी चाहिए। तकनीक इस युग की नई सुरक्षा दीवार है। भारत को अगले कुछ वर्षों में एक व्यापक तकनीक-आधारित सुरक्षा मॉडल बनाना होगा। -एआई आधारित सीसीटीवी नेटवर्क, चेहरे की पहचान प्रणाली, रीयल-टाइम डेटा इंटरलिंकिंग, आधुनिक डिजिटल फॉरेंसिक लैब, साइबर विशेषज्ञों की नियुक्ति, संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की निगरानी और डार्क वेब पर नज़र रखने वाली विशेष टास्क फोर्स-ये सभी कदम अत्यंत आवश्यक हैं। यह समझना होगा कि आतंकवाद को केवल बंदूक और बम से ही नहीं, बल्कि डेटा और तकनीक से भी हराया जा सकता है। आतंकवाद केवल मानव जनहानि का कारण नहीं बनता, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था को भी गहरे घाव देता है। हर विस्फोट निवेश को डराता है, पर्यटन को कमजोर करता है और व्यापार पर सीधा असर डालता है। एक असुरक्षित राजधानी विश्व अर्थव्यवस्था में भारत की भूमिका को नुकसान पहुँचा सकती है। इस कारण सुरक्षा केवल नागरिक जीवन का ही नहीं, बल्कि भारत के आर्थिक भविष्य का भी प्रश्न है।

भारत अब एक निर्णयकारी मोड़ पर है। समय आ गया है कि हम आतंकवाद के खिलाफ एक स्पष्ट, कठोर और आधुनिक नीति बनाएं-जिसमें कानून की ताकत, तकनीक की सटीकता, नागरिकों की जागरूकता और सरकार की इच्छाशक्ति-सभी एक साथ कार्य करें। 9/11 के बाद अमेरिका ने जो उदाहरण रखा, वह बताता है कि निर्णायक कदम लेने पर परिणाम बदलते हैं। भारत को भी यही सख़्ती दिखानी होगी। क्योंकि राष्ट्र की सुरक्षा किसी भी प्रकार के समझौते की वस्तु नहीं हो सकती। यह एक ऐसी जिम्मेदारी है, जिसमें देरी की कोई गुंजाइश नहीं है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल जांचः सोशल मीडिया के जरिये 2019 में डॉक्टरों का कट्टरपंथ की ओर झुकाव हुआ

नई दिल्ली/भाषा। लाल किले के पास 10 नवंबर को चलती कार में हुए बम विस्फोट के साथ सामने आए 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल में शामिल डॉक्टरों का कट्टरपंथ की ओर झुकाव 2019 से ही सोशल मीडिया मंच के जरिये शुरू हो गया था। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

जांच से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि अब तक की जांच से सीमा पार आतंकवाद की रणनीति में ऐसे बदलाव का संकेत मिला है, जो काफी चिंताजनक है। उन्होंने बताया कि इस रणनीति के तहत पाकिस्तान और दुनिया के अन्य हिस्सों में बैठे आतंकी आकाओं द्वारा उच्च शिक्षित पेशेवरों को पूरी तरह से डिजिटल माध्यमों का सहारा लेकर आतंकी गतिविधियों के लिए तैयार किया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि आतंकी मॉड्यूल के सदस्यों, जिनमें डॉ. मुजम्मिल गनई, डॉ. अदील राठेर, डॉ. मुजफ्फर राठेर और डॉ. उमर-उन-नबी शामिल थे, को शुरू में सीमा पार के आकाओं ने फेसबुक और 'एक्स' जैसे सोशल मीडिया मंचों पर सक्रिय पाया था। उन्होंने बताया कि ऐसे लोगों को तुरंत 'टेलीग्राम' पर निजी ग्रुप में जोड़ा गया और यहीं से उन्हें बरगलाना शुरू किया गया। आतंकी मॉड्यूल के सदस्यों ने हमलों को अंजाम देने के लिए संवर्धित विस्फोटक उपकरण (आईईडी) बनाने का तरीका सीखने के लिए यूट्यूब का भी खूब इस्तेमाल किया।

पूछताछ के दौरान विश्लेषण किए गए 'डिजिटल फुटप्रिंट' से पता चला कि इनके मुख्य संचालक 'उकासा', 'फैजान' और 'हाशमी' हैं। अधिकारियों ने बताया कि ये तीनों भारत के बाहर से अपनी गतिविधियां चला रहे थे और जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी नेटवर्क से जुड़ी जानकारियों में अक्सर इनके नाम सामने आते हैं।

अधिकारियों ने बताया कि भर्ती किए गए डॉक्टरों ने शुरू में सीरिया या अफगानिस्तान जैसे संघर्ष क्षेत्रों में आतंकवादी समूहों में शामिल होने की इच्छा व्यक्त की थी, लेकिन बाद में उनके आकाओं ने उन्हें भारत में ही रहने और भीतरी इलाकों में कई विस्फोट करने के लिए कहा।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने उत्तर प्रदेश और हरियाणा पुलिस के साथ मिलकर इस 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया। इससे जांचकर्ता फरीदाबाद के अल फलाह विश्वविद्यालय पहुंचे, जहां से 2900 किलोग्राम विस्फोटक बरामद हुआ।

वर्ष 2018 के बाद से, सोशल मीडिया पर कट्टरपंथ फैलाने के तरीके में आतंकवादी समूहों द्वारा रणनीतिक बदलाव देखा गया है। ये आतंकवादी समूह डिजिटल मंचों के जरिए लोगों की भर्ती करने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि पुख्ता सुरक्षा उपायों के कारण प्रत्यक्ष और आमने-सामने की बातचीत मुश्किल होती जा रही है।

सूत्रों के मुताबिक, एक बार जब भर्ती होने के इच्छुक लोगों की पहचान हो जाती है, तो उन्हें 'टेलीग्राम' जैसे एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप पर निजी ग्रुप में जोड़ दिया जाता है, जहां उन्हें अत्यधिक मनगढ़ंत सामग्री दिखाई जाती है, जो अक्सर कृत्रिम मेधा (एआई) से बने वीडियो होते हैं।

क्षेत्र में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने का काम सौंपे जाने से पहले, भर्ती लोगों को वर्चुअल प्रशिक्षण दिया जाता है जिसमें आसानी से उपलब्ध यूट्यूब ट्यूटोरियल शामिल होते हैं।

शोक

इंडियन एयर फोर्स विंग कमांडर नमांश स्याल के पिता, दाएं, जो दुबई एयर शो में हवाई प्रदर्शन के दौरान मारे गए थे, विलाप करते हुए जब उनका पार्थिव शरीर अंतिम संस्कार के लिए हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में उनके पैतृक घर लाया गया।

पिता की तबीयत खराब होने के कारण स्मृति मंधाना की शादी टली

सांगली/भाषा। स्मृति मंधाना के पिता श्रीनिवास के बीमार पड़ने के कारण भारतीय महिला टीम की इस दिग्गज क्रिकेटर और संगीतकार पलाश मुच्छल की शादी को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। मंधाना और पलाश की शादी रविवार (23 नवंबर) को होनी थी। मंधाना अपने पिता से भावनात्मक रूप से जुड़ी हुई हैं, जो उनके क्रिकेट करियर में लगातार उनका साथ देते रहे हैं। मंधाना के प्रबंधक तुहिन मिश्रा ने बताया कि विश्व कप विजेता क्रिकेटर के पिता को रविवार सुबह अचानक स्वास्थ्य संबंधी समस्या हो गई। मिश्रा ने कहा, '' स्मृति मंधाना के पिता श्रीनिवास मंधाना आज सुबह नाश्ता करते समय तबीयत बिगड़ने लगी। हमने सोचा कि वह जल्द ही ठीक हो जाएंगे, लेकिन उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। इसलिए हमने एम्बुलेंस बुलाई और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। वह चिकित्सकों की निगरानी में है।''

मिश्रा ने कहा कि पिता की स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए मंधाना ने उनके ठीक होने तक अपनी शादी स्थगित करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, '' मंधाना अपने पिता के बहुत करीब हैं। इसलिए उन्होंने शादी को तब तक के लिए स्थगित करने का फैसला किया है जब तक उनके पिता ठीक नहीं हो जाते।''

मिश्रा ने बताया, '' चिकित्सकों ने कहा कि उन्हें (मंधाना के पिता) फिलहाल अस्पताल में रहना होगा। हम भी सदमे में हैं और उम्मीद करते हैं कि वह जल्दी ठीक हो जाएं क्योंकि यह सभी के लिए एक बड़ा मौका है।'' उन्होंने कहा, '' ऐसे में मंधाना चाहती है कि पहले उनके पिता ठीक हो जाएं और वह बाद में शादी करेंगी। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि इस समय परिवार की निजता का सम्मान करें।''

ताइवान में सैन्य हस्तक्षेप संबंधी टिप्पणी कर जापान ने सारी हदें पार की : वांग यी

ताइपे/एपी

चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने रविवार को कहा कि जापान की नई प्रधानमंत्री की ताइवान पर संभावित सैन्य हस्तक्षेप की टिप्पणियों ने सारी हदें पार कर दी हैं।

जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि चीन की नौसैनिक नाकाबंदी या ताइवान के खिलाफ कोई अन्य कार्रवाई जापान की सैन्य प्रतिक्रिया का आधार हो सकती है।

वांग ने चीन के विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर जारी एक बयान में कहा, यह प्रतिक्रिया चौंकाने वाली थी।

वांग ने कहा, यह चौंकाने वाला है कि जापान के वर्तमान नेताओं ने सार्वजनिक रूप से ताइवान मुद्दे पर सैन्य हस्तक्षेप का प्रयास करने का गलत संकेत दिया है, ऐसी बातें कही हैं जो उन्हें नहीं कहनी चाहिए थीं और एक ऐसा मुद्दा उठाया, जिसे हाथ नहीं लगाया जाना चाहिए था।

जापान के साथ तनाव के मुद्दे को देख रहे चीन के सबसे वरिष्ठ अधिकारी वांग ने कहा कि चीन जापान की कार्रवाइयों का 'दृढ़ता से जवाब' देगा और सभी देशों की जिम्मेदारी है कि वे 'जापानी सैन्यवाद के पुनरुत्थान को रोकें'।

ताकाइची की टिप्पणियों के कारण पिछले कुछ सप्ताह से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है।

चीन ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस को एक पत्र भेजकर ताकाइची द्वारा 'अंतरराष्ट्रीय कानून के गंभीर उल्लंघन' और राजनयिक मानदंडों की आलोचना की।

चीन के संयुक्त राष्ट्र राजदूत फू कांग ने पत्र में लिखा, अगर जापान जलडमरूमध्य पार की स्थिति में सशस्त्र हस्तक्षेप करने की हिम्मत करता है, तो यह एक आक्रामक कार्रवाई होगी।

पत्र में कहा, चीन संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत आत्मरक्षा के अपने अधिकार का दृढ़तापूर्वक प्रयोग करेगा और अपनी संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता की दृढ़ता से रक्षा करेगा।

ताकाइची का रुख जापान के पिछले प्रधानमंत्रियों की तुलना में ज्यादा कड़ा माना जा रहा है, जिन्होंने ताइवान के लिए चीन के खतरे पर चिंता तो जताई लेकिन सार्वजनिक रूप से यह नहीं कहा कि जापान इस पर क्या प्रतिक्रिया देगा।

प्रधानमंत्री ने बाद में अपनी टिप्पणी वापस लेने से इनकार कर दिया लेकिन कहा कि वह भविष्य में विशिष्ट परिदृश्यों पर बात करने से बचेंगी।

प्रदर्शन

कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता गुरुग्राम में रविवार को भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए।

हमेशा आपकी ऋणी रहूंगी, मां को जननी कहकर आम्रपाली दुबे ने दी जन्मदिन की बधाई

नई दिल्ली/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा की बड़ी अभिनेत्री आम्रपाली दुबे अपने परिवार और खासकर माता-पिता के बहुत करीब हैं। उन्हें जब भी समय मिलता है, वे उनके साथ किसी तीर्थ स्थान की यात्रा करने जरूर जाती हैं। अब एक्ट्रेस ने अपनी मां ऊषा दुबे को प्यार भरे सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए जन्मदिन की बधाई दी है। पोस्ट पर भोजपुरी स्टार्स भी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। आम्रपाली दुबे ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी मां के साथ कुछ फोटोज डाली हैं। फोटोज में मां-बेटी के बीच बहुत प्यारा बॉन्ड दिख रहा है।

अपनी मां को जन्मदिन की बधाई देते हुए उन्होंने लिखा, हैप्पी बर्थडे जननी, आपने मेरे लिए जितने त्याग किए हैं, अपने सपने परे रखे हैं ताकि मैं अपने सपने पूरे कर सकूं, उसके लिए मैं हमेशा आपकी ऋणी रहूंगी मां। उन्होंने आगे लिखा, आप मेरी ताकत, मेरा आराम और मेरे लिए सबसे बड़ा आशीर्वाद हैं। ये साल आपके लिए अनंत खुशियां, अच्छा स्वास्थ्य और वह सब कुछ लेकर आए जो आपका दिल चाहता है। अपनी मां पर प्यार लुटाते हुए उन्होंने कहा कि वे उनसे जितना प्यार करती हैं, उसे शब्दों में बयां नहीं कर सकतीं। बता दें कि आम्रपाली घर की छोटी बेटी हैं और उन्हें मां और पिता दोनों का लाड-प्यार ज्यादा मिला है। उनकी बड़ी बहन आंचल भी आम्रपाली को बहन नहीं बेटी मानती हैं।

आम्रपाली ने हमेशा अपनी बड़ी बहन को मां के रूप में ही देखा है। अपनी बहन आंचल के पॉडकास्ट में आम्रपाली ने खुलासा किया था कि जो काम मम्मी करने से मना करती थी, वो दीदी करने के लिए मना लेती थी। आम्रपाली दुबे का परिवार वैसे तो बहुत बड़ा है। दीपावली या किसी शादी के फंक्शन में वे अपने कजिन के साथ फोटोज पोस्ट करती रहती हैं, लेकिन उनका अपना सगा भाई कोई नहीं है।

वे अपने कजन भाइयों को अपना परिवार मानती हैं। पहले आम्रपाली का पूरा परिवार एक साथ रहता था। अब परिवार अलग-अलग घरों में रहता है, हालांकि हफ्ते में एक बार सभी मिलकर फैमिली डिनर करते हैं। बता दें कि आम्रपाली दुबे की फिल्म 'मातृ देवो भव' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और फैंस फिल्म को बहुत प्यार भी दिखा रहे हैं। फिल्म लगातार छठे हफ्ते से पर्दे पर अपना जलवा बिखेर रही है।

'120 बहादुर' की कहानी को फरहान और उनकी टीम ने शानदार तरीके से पर्दे पर उतारा : गजराज राव

मुंबई/एजेन्सी

सन 1962 में हुए भारत-चीन के युद्ध पर बनी हालिया रिलीज फिल्म '120 बहादुर' को दर्शकों के साथ ही फिल्म जगत के तमाम सितारों से तारीफ मिल रही है। तारीफ करने वालों की लिस्ट में एक्टर गजराज राव का नाम भी जुड़ चुका है। अभिनेता ने फिल्म '120 बहादुर' की तारीफ करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन का सहारा लिया। फिल्म की जमकर तारीफ करने के साथ उन्होंने मेजर शैतान सिंह और उनके 120 वीर सैनिकों की पलटन को शत-शत नमन किया। गजराज राव ने फिल्म के एक पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा, मेजर शैतान सिंह और उनकी वीर पलटन को शत-शत नमन। फरहान और उनकी टीम ने सन 1962 की इस लड़ाई को बेहद मेहनत और सच्चाई के साथ बड़े पर्दे पर उतारा है। फिल्म और टीम को शानदार बताते हुए उन्होंने दर्शकों से भी '120 बहादुर' को देखने की अपील की। उन्होंने अपील करते हुए कहा, '120 बहादुर' को एक बार जरूर देखिए! फिल्म '120 बहादुर' 1962 में भारत-चीन के बीच लद्दाख की रेजांग ला चोटी पर हुए ऐतिहासिक युद्ध पर आधारित है, जिसमें अहिर कंपनी की 120 बहादुर सैनिकों ने 3000 से अधिक चीनी सैनिकों का मुकाबला करते हुए देश की रक्षा की थी।

इस युद्ध में मेजर शैतान सिंह को मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था। फरहान अख्तर के प्रोडक्शन हाउस एक्सेल एंटरटेनमेंट और रितेश सिधवानी के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्देशन रजनीश घई ने किया है। फिल्म में मेजर शैतान सिंह की भूमिका में फरहान अख्तर हैं। वहीं, अभिनेत्री राशि खन्ना मेजर की पत्नी शगुन कंवर के किरदार में हैं।

फिल्म '120 बहादुर' एक्सेल एंटरटेनमेंट और ट्रिगर हैपी स्टूडियोज ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। फरहान अख्तर, राशी खन्ना के अलावा फिल्म में अंकित सिवाच भी फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका में हैं।

हरिद्वार में गंगा स्नान करने पहुंची खुशबू पाटनी

हरिद्वार/एजेन्सी

भारतीय सेना का हिस्सा रहीं खुशबू पाटनी सोशल मीडिया का बड़ा चेहरा हैं। वे भले ही अपनी बहन दिशा पाटनी की तरह मीडिया की चकाचौंध से दूर हैं, लेकिन सामाजिक कार्य कर लोगों की मदद करने में सबसे आगे हैं। अब खुशबू को हरिद्वार में गंगा स्नान के बाद वहां के लोकल बाजार का आनंद लेते हुए देखा गया। खुशबू पाटनी ने अपने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट की है। वीडियो में वे खुद अपने आस-पास के बाजार का एक्सपीरियंस शेयर कर रही हैं। वीडियो में वे कहती हैं कि हम हरिद्वार आए हुए हैं, वैसे तो हम यहां सिर्फ जल लेने आए थे। तभी उनकी नजर वहां खड़े चश्मे वाले पर पड़ती है। खुशबू चश्मे की दुकान पर कई चश्मे ट्राई करती हैं और उन्हें फाइनली एक चश्मा पसंद भी आ जाता है। जिसके बाद वे एक छोटी बच्ची के साथ दिखती हैं, जो उनके माथे पर चंदन लगाकर त्रिपुंड बनाती हैं, और प्यार से बच्ची को गले भी लगाती हैं। वीडियो में खुशबू हरिद्वार के सुंदर नजारे दिखाती हैं और मां मनसा देवी मंदिर के दर्शन भी कराती हैं। उन्हें हरिद्वार का माहौल काफी अच्छा लगा है क्योंकि वे खुद को आध्यात्म के करीब पा रही हैं। इससे पहले उन्होंने गंगा स्नान की फोटोज भी पोस्ट की थी। बता दें कि खुशबू सोशल मीडिया पर अपनी फिटनेस जर्नी और लोगों की मदद करने के लिए जानी जाती है। कुछ महीने पहले ही उन्होंने बरेली में अपने घर के पास से एक साल की बच्ची को रेस्क्यू किया था। उन्होंने बच्ची को बचाया, उसकी देखभाल की, और पुलिस को मामले की सूचना देने के बाद, बच्ची के माता-पिता को भी पुलिस की मदद से ढूंढ निकाला था। उनके इस काम के लिए सोशल मीडिया पर उन्हें बहुत सराहा गया था। हालांकि, प्रेमानंद महाराज को लेकर दिए एक कथित बयान की वजह से वे विवादों में भी घिर गई थीं। खुशबू ने साफ कर दिया था कि उनका बयान अनिरुद्धाचार्य महाराज को लेकर था, जो महिलाओं के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करते हैं। इनके बयान को प्रेमानंद महाराज के साथ न जोड़ा जाए। दरअसल सोशल मीडिया पर प्रेमानंद महाराज और खुशबू की वीडियो को साथ जोड़कर वायरल किया जा रहा था।

'धुरंधर' टैलेंटेड लोगों की जबरदस्त टीम : यामी गौतम

मुंबई/एजेन्सी

सच्ची घटना पर आधारित हाई-ऑक्टेन फिल्म 'धुरंधर' अगले महीने सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। हाल ही में फिल्म मेकर्स ने ट्रेलर जारी किया, जो जमकर धमाल मचा रहा है। एक्ट्रेस यामी गौतम ने भी ट्रेलर को शानदार और कभी न भूलने वाला बताया। एक्ट्रेस यामी गौतम ने बताया कि ट्रेलर को वह कई बार देख चुकी हैं। बार-बार देखकर हैरान हैं और अपने पति, फिल्म के डायरेक्टर आदित्य धर की तारीफ करते नहीं थक रही हैं। यामी ने इंस्टाग्राम पर ट्रेलर की तारीफ में एक लंबा पोस्ट लिखा। यामी ने लिखा, मैंने इस ट्रेलर को कई बार देख लिया है और अभी भी इसे भूल नहीं पा रही हूं। आप ऐसे ही कमाल करते हो। पागलपन असली है हाइप बिल्कुल रियल है उड़ान सबसे ऊंची हो 'धुरंधर'। अपने पति और डायरेक्टर आदित्य धर को खास अंदाज में बधाई देते हुए यामी ने लिखा, मैं आपकी सबसे बड़ी फैन हूं आदित्य धर। पूरी ओजी टीम और मेरे 'वंडर बॉय' को ढेरों बधाई। इस बेहद टैलेंटेड टीम ने जो बनाया है, वह सचमुच जबरदस्त है। अपकमिंग फिल्म 'धुरंधर' हाई-ऑक्टेन स्पाई एक्शन थ्रिलर है, जो रिसर्च एंड एनालिसिस विंग के गुप्त ऑपरेशन्स पर बनी है। असली घटनाओं से प्रेरित कहानी में अंडरवर्ल्ड, देशभक्ति, धोखे और जासूसी का तड़का है। फिल्म को डायरेक्ट करने के साथ ही आदित्य धर ने इसे लिखा और को-प्रोड्यूस भी किया है। ज्योति देशपांडे और लोकेश धर भी प्रोड्यूसर हैं। फिल्म के म्यूजिक को शाश्वत सचदेव ने कंपोज किया है। फिल्म के स्टारकास्ट की बात करें तो इसमें रणवीर सिंह एक एजेंट के किरदार में नजर आएंगे।रणवीर के साथ फिल्म में आर माधवन, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल, राकेश बेदी, सारा अर्जुन जैसे एक्टर्स अहम भूमिकाओं में हैं।

गीता दत्तः आवाज में मिठास ऐसी कि लता मंगेशकर भी बन गई थीं प्रशंसक

नई दिल्ली/एजेन्सी

संगीत की दुनिया में अगर स्वर्ण अक्षरों में किसी का नाम लिखा जाएगा, तो वह स्वर कोकिला लता मंगेशकर का नाम होगा, लेकिन क्या आप जानते हैं कि लता मंगेशकर भी एक महिला गायिका की आवाज की दीवानी थीं। हम बात कर रहे हैं बंगाली और हिंदी सिनेमा में अपनी आवाज से दिलों पर जादू कर देने वाली प्लेबैक सिंगर गीता दत्त की। गीता दत्त की आवाज और लहजे की दीवानी लता मंगेशकर भी हुआ करती थीं। 23 नवंबर को गीता दत्त की जयंती है। उनका जन्म 23 नवंबर 1930 में पूर्वी बंगाल के फरीदपुर जिले में हुआ था। उन्हें बचपन से ही गाने का शौक था। गाने की विरासत गीता को अपने परिवार से ही मिली थी। उनकी मां कविताएं लिखती थीं और उनके पिता मुकुल रॉय संगीतकार थे।

दोनों के गुण गीता के अंदर थे और उनकी आवाज में ऐसा जादू था कि एक बार सुनने पर उनकी आवाज को भूल पाना मुमकिन था। गीता दत्त ने पहली बार गायन कला का प्रदर्शन साल 1946 में आई फिल्म 'भक्त प्रह्लाद' में किया था। हालांकि गाने में उन्होंने सिर्फ दो लाइनें ही गाई थीं, लेकिन फिर भी उनकी आवाज को खूब प्रशंसा मिली। इसके बाद उन्होंने फिल्म 'दो भाई' के गानों में आवाज दी और देखते ही देखते उन्होंने अलग-अलग फिल्मों में अपने जादुई आवाज से कई हिट गाने दिए।

उनके 'पिया ऐसो जिया में समाय गयो रे', 'जाने कहां मेरा जिगर गया जी', 'चिन चिन चू', 'मुझे जान न कहो मेरी जान', 'ऐ दिल मुझे बता दे', 'वक्त ने किया क्या हसीं सितम', और 'बाबू जी धीरे चलना' सबसे ज्यादा पॉपुलर हुए थे।

गीता ने अपने करियर में तकरीबन 1500 गाने गाए। यतींद्र मिश्र लिखित किताब 'लता सुर गाथा' में लता मंगेशकर और गीता दत्त के बीच के एक किस्से को बताया गया है।

शाश्वत मंगल के साथ जुड़ना अनिवार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। माम्बलम टी. नगर स्थित जैन स्थानक में विराजित गुरुदेव डॉ. समकित मुनि जी म. सा. ने सती-चेलना की प्रेरणादायी कथा सुनाते हुए कहा कि संसार के मंगल को मंगल बनाए रखने के लिए शाश्वत मंगल के साथ जुड़ना अनिवार्य है। अरिहंत, सिद्ध, साधु और धर्म यह शाश्वत मंगल है। इन चार की शरण सर्व मंगलों को मंगल बनाए रखती है। रविवारीय विशेष सामायिक दिवस पर गुरुदेव ने कहा कि सामायिक जीवन में शांति और सुकून के कमल खिलाती है। चुभने और चुभाने की आदत पर विराम लग जाता है। दूसरों को आगे बढ़ते देख मन में हो रही चुभन को दूर करती है सामायिक। दूसरों की प्रोग्रेस को स्वीकारने की साधना ही सामायिक है। किसी की बढ़ती को देख कभी भी हमें जलना नहीं चाहिए। सामायिक में मन वचन और काया के सावद्य योगों का त्याग किया जाता है जिससे आत्मा गुणों को ग्रहण करने की ओर आगे बढ़ती है। टी. नगर जैन स्थानक में प्रति रविवार की सामायिक की आराधना की अनुमोदना गुरुदेव ने की।

उन्होंने कहा कि ज्ञानी बनना है तो ज्ञानी को देख कर कभी नफरत न करो, धनी बनना है तो धनवान से घृणा मत करो। गुणवानों के गुणों की प्रशंसा करने से हम भी गुणी बनने की तरफ आगे बढ़ते हैं। गुणीजनों को देखकर यदि मन में अहोभाव जागृत होता है तो समझना हमारे भीतर गुणों का प्रवेश होना आरंभ हो गया है।

इस मौके पर डॉ. समकित मुनि जी म. सा. ने संघ अध्यक्ष उत्तमचन्द गोठी के सामाजिक कार्यों एवं समाज के प्रति एक निष्ठा संघ को एक सूत्र में पिरो कर चलना, एवं संघ को सुव्यवस्थित आगे बढ़ाने पर साधुवाद दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे समाज रत्न जिस संघ की कुर्सी पर बैठते हैं वह संघ को आगे बढ़ाते हैं। उत्तमचंद गोठी स्वयं बारह-व्रती श्रावक धर्म की आराधना करते हैं और अपने प्रयासों से अन्यों को भी श्रावक व्रत से जोड़ने का उपक्रम करते हैं।

वर्द्धमान संस्कार वाटिका धार्मिक पाठशाला टी.नगर स्थानक के बालक बालिकाओं ने राजऋषि पूज्य गुरुदेव श्री सुमतिप्रकाशजी म.सा. की अमर कथा पर एक अति सुन्दर नाटक एवं स्तवन प्रस्तुत किया। मुनिश्री जयवन्तमुनिजी म. सा. ने अपने मधुर कंठ से स्तवन प्रेषित किया। धर्म सभा का संचालन मंत्री महेंद्र गादिया ने किया। भगवान महावीर सेवा समिति की तरफ से 397वां मानव सेवा-अन्नदानम कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सुन्दरकांड पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरुपुर में 23 नवम्बर को 1444वां, सुन्दरकाण्ड पाठ अनिल शर्मा के निवास पर हुआ। सुन्दरकाण्ड पाठ गणेश वन्दना एवं मन्त्रोच्चारण करके सुन्दरकांड का पाठ चालू किया। मां दुर्गा भक्त मंडल की ओर से अध्यक्ष अशोक शर्मा एवं उपाध्यक्ष राजकुमार शर्मा मां दुर्गा भक्त मंडल के पदाधिकारियों ने अनिल शर्मा परिवार का आभार व्यक्त किया।

जिनदत्त कुशलसूरी जैन सेवा मंडल द्वारा मंदबुद्धि बच्चों की पढ़ाई हेतु कमरा भेंट

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय जिनकुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल के रजत जयंती वर्ष के सुकृत कार्यक्रमों की श्रृंखला में मंडल की ओर से मंदबुद्धि एवं दृष्टिबाधित बच्चों की संस्था 'प्रेरणा ट्रस्ट मण्ड्या' में बच्चों के लिए एक पढाई रूम बनाकर भेंट किया गया।

मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने कहा कि संघ के सदस्यों द्वारा प्रदान की गई राशि से पूरे वर्ष के दौरान मंडल द्वारा मानव सेवा, जीवदया एवं अनेक साधर्मिक भक्ति के कार्य किए जा रहे हैं। मंडल के महामंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि इस रूम के बनवाने में आए खर्च की राशि प्रेरणा ट्रस्ट के रविकुमार और आनन्द कुमार को सौंपी गई। इस मौके पर नरेन्द्र पारख, ललित धारीवाल, सहमंत्री धर्मेन्द्र संकलेचा, बहादुर कांकरिया, अर्चित पारख, विकास बच्छावत आदि उपस्थित थे।

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में वीआईटी ने लगाई लंबी छलांग

352वें स्थान पर पहुंचा संस्थान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेल्लोर। वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी) ने 'क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग: सस्टेनेबिलिटी 2026' में भारत में सातवीं रैंक और दुनियाभर में 352वीं रैंक हासिल की है। उसने पर्यावरणीय प्रभाव श्रेणी में दुनियाभर में 194वीं रैंकिंग से विशिष्ट पहचान बनाई है।

इस अवसर पर वीआईटी के चांसलर डॉ. जी विश्वनाथन ने कहा, 'इस रैंकिंग को क्वाक्वेरेली साइमंड्स ने जारी किया है। इस डेडिकेटेड सस्टेनेबिलिटी श्रेणी में संस्थानों का आठ परफॉर्मेंस लेंस: समानता, ज्ञान का आदान-प्रदान, शिक्षा का प्रभाव, रोजगार और अवसर, स्वास्थ्य और कल्याण, पर्यावरण स्थिरता, पर्यावरण शिक्षा, पर्यावरण अनुसंधान और सामाजिक प्रभाव, के आधार पर मूल्यांकन किया जाता है।'

उन्होंने कहा, 'वीआईटी ने कुल मिलाकर 74.9 का शानदार स्कोर किया है, जिससे यह दुनियाभर में 352वें स्थान पर और भारतीय संस्थानों में 7वें स्थान पर पहुंच गया है। खास तौर पर सामाजिक प्रभाव, पर्यावरणीय प्रभाव और गवर्नेंस में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। पर्यावरणीय प्रभाव में स्कोर 78.1 है, जिससे इसे दुनियाभर में 194वीं रैंक मिली है। 396वें स्थान से 352वें स्थान पर आना एक बड़ी छलांग है।'

डॉ. विश्वनाथन ने कहा, '2026 एडिशन में 106 देशों और इलाकों के 2,000 से ज़्यादा विश्वविद्यालयों का मूल्यांकन किया गया है।'

लोबल टॉप 400 में जगह बनाना वीआईटी की अब तक की सबसे ऊंची सस्टेनेबिलिटी रैंकिंग पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी, रिसर्च में बेहतरीन काम और समाज की भलाई के लिए प्रतिबद्धता का प्रमाण है।'

वोल्वस वेल्थ लैब 1.0 ने सफलता के मानक स्थापित किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। 'वॉल्व्स वेल्थ लैब 1.0' वॉल्व्स ऑफ़ दलाल स्ट्रीट द्वारा आयोजित एक विशेष निवेशक ज्ञान सम्मेलन सफलता के साथ संपन्न हुआ। अमोल चिट्टलांगिया द्वारा परिकल्पित और संचालित इस कार्यक्रम में खचाखच भीड़ उमड़ी और भारत के निवेश जगत के कुछ सबसे प्रखर बुद्धिजीवियों ने इसमें भाग लिया। यह सम्मेलन डब्ल्यूओडीएस समुदाय का पहला ऑफलाइन सम्मेलन था, जहां बाजार के दिग्गज, विश्लेषक, व्यापारी, मूल्य निवेशक और महत्वाकांक्षी शिक्षार्थी गहन चर्चा और परिवर्तनकारी शिक्षा के लिए एक दिन के लिए एकजुट हुए। कार्यक्रम में विजय केडिया, प्रमुख निवेशक और भारत के सबसे प्रशंसित ट्रेंड-फॉलोअर, आशु मदान, अध्यक्ष - रिटेल ब्रोकिंग, जेएम फाइनेंशियल, नरेश कटारिया, प्रसिद्ध मूल्य निवेशक उनके सत्रों में प्रवृत्ति-अनुसरण, दीर्घकालिक निवेश, व्यवहारगत पूर्वाग्रह और अनुशासित धन सृजन जैसे विषयों को शामिल किया गया।

इस मौके पर अनुभवी निवेशक गोविंद पारिख, राजीव खन्ना, गुणवंत बैद, अमोल चितलांगिया और वुड्स टीम द्वारा तैयार ज्ञान पारिस्थितिकी तंत्र में गहराई और विश्वसनीयता बढ़ाई।

बेंगलूरु नकदी वाहन चोरी

पुलिस ने सातवें संदिग्ध को गिरफ्तार किया

बेंगलूरु। पुलिस ने रविवार को कहा कि उसने बेंगलूरु में नकदी भरे वाहन से 7.11 करोड़ रुपये की लूट के मामले में सातवें संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया है। इसने बताया कि संदिग्ध इस मामले में पहले से ही गिरफ्तार एक व्यक्ति का रिश्तेदार बताया जा रहा है। यह गिरफ्तारी शनिवार देर रात की गई। पुलिस ने शनिवार को दक्षिण बेंगलूरु में 19 नवंबर को हुई लूट के सिलसिले में छह लोगों की गिरफ्तारी और लूटे गए कुल 7.11 करोड़ रुपये में से 6.29 करोड़ रुपये बरामद होने की घोषणा की। गिरफ्तार लोगों में नकदी पहुंचाने वाली कंपनी सीएमएस इन्फो सिस्टम्स के पूर्व कर्मचारी और शहर के गोविंदपुरा थाने में तैनात पुलिस कांस्टेबल अन्नप्पा नाइक शामिल है। इस बीच, गृह मंत्री जी परमेश्वर ने रविवार को सातवीं गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए, इसमें शामिल अन्य संदिग्धों की गिरफ्तारी और शेष राशि की बरामदगी का भरोसा जताया। उन्होंने कहा, बेंगलूरु में 7.11 करोड़ रुपये की लूट के आरोपियों को पुलिस ने पकड़ लिया है और सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

कर्नाटक शास्त्रीय संगीत की स्वरलहरियों से भावविभोर हुए संगीतप्रेमी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय श्रीराम ललितकला मंदिर द्वारा स्वरसेतु फाउण्डेशन के सहयोग से शनिवार की शाम बनशंकरी सेकेण्ड स्टेज स्थित एसआरएलकेएम के सभागार में आयोजित कर्नाटक शास्त्रीय संगीत के सुर-ताल से सजे कार्यक्रम में विद्वान वेंकट आयलूर ने कर्नाटक शास्त्रीय गायन की अपनी मनोहारी प्रस्तुति से संगीतप्रेमी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्वान वेंकट आयलूर द्वारा राग हंसध्वनि, मोहनं, श्यामा, मायामालवगौला, पूर्विकल्याणि, खरहरप्रिया, शिवरंजनी एवं हंसध्वनि पर आधारित गायन प्रस्तुतियां दी। गायन प्रस्तुति के दौरान वायलिन पर सीवी श्रुति, मृदंगम पर बीएस आनन्द और घटम पर आर. अभिजीत ने संगत दी। इस अवसर पर शास्त्रीय संगीत के प्रति विशेष रुचि रखने वाले संगीतप्रेमी श्रोताओं की उत्साहवर्धक उपस्थिति थी।

'माँ चाहती थीं यश बने मॉडल, पर साधु बनकर अब 'जेन-जी' के लिए बनेगा रोल मॉडल'

मुमुक्षु भव्य शाह बने मुनिश्री भावजित सागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'रजोहरण हाथ में आते ही मुमुक्षु भव्यकुमार का चेहरा उल्लास और भावविभोरता से दमक उठा, मानो वर्षों की अंतर्यात्रा पूर्ण हो गई हो। जैन दीक्षा का प्रमुख प्रतीक और अहिंसक जीवन का महत्त्वपूर्ण उपकरण रजोहरण जैसे ही आचार्यश्री ने मुमुक्षु को प्रदान किया, पूरे वातावरण में वैराग्य का रंग चरम पर पहुँचा और हजारों श्रद्धालु भाव-विह्वल हो उठे।' 17 वर्षीय मुंबई निवासी मुमुक्षु भव्य शाह की दीक्षा के उपलक्ष्य में शंकरपुरम में आयोजित संसार परिहार उत्सव के अंतिम दिन आचार्यश्री अरिहंतसागर सूरीश्वरजी की निश्रा में कल्याण मित्र परिवार द्वारा भव्य दीक्षा समारोह संपन्न हुआ। इस पावन घड़ी में मुमुक्षु भव्य शाह ने सांसारिक जीवन का त्याग कर जैन दीक्षा अंगीकार की और पूर्णतया अहिंसक जीवनशैली अपनाते हुए 'जेन-जी' के लिए प्रेरणास्रोत बन गए।

विधि विधान से हुई दीक्षा पूर्व की मंगल विधियाँ

रविवार को प्रातःकालीन मंगल बेला में मुमुक्षु भव्य शाह का मण्डप में प्रवेश हुआ। लाभार्थी परिवार ने विजय तिलक कर मंगलकामना व्यक्त की। इसके बाद भगवान की आभूषण पूजा, गुरुपूजन और संघ-वर्धापन की दिव्य क्रियाएँ सम्पन्न हुईं। मुमुक्षु द्वारा समवसरण में तीन प्रदक्षिणाएँ देकर आराधना के बाद गुरुभगवंतों का मण्डप में प्रवेश हुआ। संगीत की मधुर धुनों के बीच देववंदन, गुरुवंदन, वासनिक्षेप, नंदी सूत्र श्रवण, प्रव्रज्या आदि विधियाँ सम्पन्न हुईं। जैसे ही आचार्यश्री ने अपने करकमलों से रजोहरण प्रदान किया, दर्शकगण भी इस अद्वितीय क्षण को संयम के रंग में पूर्णतया रंगता हुआ अनुभव करने लगे। इसके पश्चात मुमुक्षु ने आभूषण त्याग कर स्नान किया। वेश परिवर्तन के बाद वे एक नए अवतार 'नूतन दीक्षित' के रूप में मंच पर पधारे। सभी ने अहोभाव से उनका स्वागत किया। संयम के उपकरण लाभार्थियों द्वारा आचार्यश्री को अर्पित किए गए। केशलुंचन उपरांत नामकरण विधि में नूतन दीक्षित का नाम मुनिश्री भावजित सागर रखा गया। मुंबई से आए केतन मेहता ने प्रत्येक विधि के रहस्यों से श्रद्धालुओं को अवगत कराया।

दीक्षार्थी का सम्मान वास्तव में है दीक्षाधर्म का सम्मान : अरिहंतसागरसूरी

अपने प्रासंगिक प्रवचन में आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने कहा, दीक्षा महोत्सव के अंतर्गत होने वाली भव्यता, दीक्षार्थी का सम्मान वास्तव में देखा जाए तो त्याग, वैराग्य और संयम जैसे आत्मिक गुणों का सम्मान है, इन गुणों का सत्कार-सम्मान इन गुणों की प्राप्ति के कारण बनता है और ये ही गुण किसी भी जीव के अंतिम लक्ष्य यानी सुख प्राप्ति में कारण बनते हैं अतः दीक्षा जैसे अनुष्ठान के आयोजन में खर्च होने वाले समय, शक्ति, संपत्ति अंततः स्वयं के ही आत्मिक विकास में निमित्त बनते हैं। दीक्षार्थी का सम्मान वास्तव में त्याग, वैराग्य और संयम जैसे आत्मिक गुणों का सम्मान है। यही गुण जीवन को अंतिम लक्ष्य 'परम सुख'तक ले जाने का मार्ग बनते हैं। दीक्षा जैसे अनुष्ठानों में लगाया गया समय, शक्ति और संपत्ति अंततः आत्मिक विकास में ही फलीभूत होती है। उन्होंने नूतन दीक्षित को सदैव उत्साह और जागरूकता के साथ आराधना करने की प्रेरणा दी। दीक्षा महोत्सव में शहर के विभिन्न संघों के साधु-साध्वी भगवंतों की पावन उपस्थिति रही।

मंगलवार प्रातः आचार्यश्री नूतन दीक्षित के साथ प्रथम विहार कर वीवी पुरम स्थित सीमंधर-शांतिसूरी जैन संघ पधारेंगे।

ज्ञान प्रदर्शनी से लोगों ने पाया नया ष्टिकोण

संयम जीवन की विशेषताओं पर आधारित ज्ञान प्रदर्शनी और भावभीना विदाई समारोह जैसे रचनात्मक कार्यक्रमों ने उपस्थितजन को दीक्षा के वास्तविक स्वरूप का नया अभिगम प्रदान किया। दीक्षा महोत्सव के सफल आयोजन हेतु दीक्षार्थी परिवार द्वारा कल्याण मित्र परिवार को धन्यवाद दिया गया। रविवार को दीक्षा महोत्सव के समापन पर कल्याण मित्र परिवार के ही एक मुमुक्षु सहित मुम्बई के भी एक और मुमुक्षु कुल दो मुमुक्षुओं के दीक्षा महोत्सव का मुहूर्त ग्रहण 12 दिसंबर को मुम्बई में गच्छाधिपति आचार्य श्री युगभूषणसूरीश्वरजी की निश्रा में लिए जाने की घोषणा की गई।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.